दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

आज का विचार

ये जिंदगी भी तमन्नाओं का गुलदस्ता है, कभी महकती है, कभी कुम्हला जाती है, और कभी चुभ जाती है।

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 23 जून, 2025 वर्ष 23, अंक 153, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

मौसम विभाग ने देश भर में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की दी चेतावनी

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी अगले 5 से 7 दिनों तक भारी बारिश का अनुमान

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

जून की उमस भरी गर्मी से परेशान होकर आप भी अगर पहाड़ों या किसी अन्य ठंडी जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। मौसम अब करवट ले चुका है। भारत में मानसून की दस्तक के साथ ही अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है।

भारी बारिश की चेतावनी भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने जारी की है। मौसम विभाग के मुताबिक 22 से 26 जून के बीच देश के उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य प्रदेश, गुजरात, कोंकण और गोवा में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। खास बात यह है कि कुछ राज्यों में तो अगले कुछ दिनों में अत्यधिक भारी बारिश भी हो सकती है।

आईएमडी के बुलेटिन के अनुसार 22 जून को गुजरात क्षेत्र के कुछ हिस्सों में, जबकि 23 और 24 जून को मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में 20 सेमी से भी अधिक बारिश हो सकती है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत में भी अगले तीन दिनों तक लगातार भारी बारिश के आसार हैं और उसके बाद अगले चार दिनों तक भी तेज बारिश की संभावना बनी रहेगी।

देश के मध्य भारत में पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ जैसे इलाकों में 23 और 24 जून को अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। 22 से 27 जून के दौरान अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, बिहार, झारखंड, गंगा क्षेत्र का पश्चिम बंगाल और ओडिशा में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। कई इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, इससे यातायात और बिजली जैसी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

देश के पश्चिमी हिस्सों में विशेष रूप से गुजरात, कोंकण और गोवा में 22 से 28 जून के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। 22 जून को गुजरात में कई स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की आशंका जताई गई है। इस दौरान मुंबई सहित पश्चिमी समुद्री तटीय इलाकों में जलजमाव और बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है।

उत्तर-पश्चिम भारत की बात करें, तो 23 जून को पूर्वी राजस्थान में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी अगले 5 से 7 दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है। बिजली गिरने और तेज हवाओं के चलते इन इलाकों में एहतियातन सतर्कता बरतने की जरूरत है।

पूर्वोत्तर भारत में भी भारी वर्षा का दौर जारी रहेगा। 22 और 23 जून को असम और मेघालय में, 23 और 24 को अरुणाचल प्रदेश में, जबकि 23 जून को ही नागालैंड और मणिपुर में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पहाड़ी और जंगलों वाले इलाकों में भूस्खलन और नदियों का जलस्तर बढ़ने की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

दक्षिण भारत के राज्य भी बारिश के इस दौर से अछूते नहीं रहेंगे। केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र के तटीय हिस्सों में 22 से 28 जून के बीच कई स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गरज-चमक के साथ बारिश और 40 से 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विभाग की ओर से एक और महत्वपूर्ण चेतावनी यह दी गयी है कि तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा के कुछ इलाकों में 22 से 24 जून के बीच गर्म और आर्द्र मौसम बना रहेगा, जिससे उमस और असहजता महसूस हो सकती है।

ऐसे में अगर आप यात्रा की योजना बना रहे हैं या किसी खुले इलाके में काम करते हैं, तो अगले कुछ दिनों तक आपको विशेष सतर्कता बरतनी जरूरी है। भारी बारिश से ट्रैफिक जाम, जलभराव, पेड़ों के गिरने, बिजली की समस्या और संचार सेवाओं में बाधा जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। विशेषकर पहाड़ी इलाकों में जाने वाले पर्यटक मौसम की स्थिति जानकर ही अपने-अपने घरों से निकलेंगे, तो बेहतर होगा।

छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन : अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने किया राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय के अस्थायी परिसर एवं आई-हब का उद्घाटन

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को नवा रायपुर स्थित राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के अस्थायी परिसर तथा आई-हब रायपुर का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, आज छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन है। एनएफएसयू के अस्थायी परिसर के साथ-साथ नवा रायपुर में स्थायी परिसर के लिए भूमि पूजन एवं केंद्रीय फॉरेंसिक साइंस लैब की स्थापना की भी शुरूआत की गई है। कुल 268 करोड़ की लागत से ये संस्थान विकसित किए जा रहे हैं। अस्थायी परिसर में सत्र 2025-26 से बीएससी, एमएससी फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी, मनोविज्ञान, डिजिटल फॉरेंसिक एवं प्रोफेशनल डिप्लोमा कोर्सेस प्रारंभ हो जाएंगे। लगभग 180 छात्र पहले बैच में प्रवेश लेंगे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित ने कहा कि, इन संस्थानों के निर्माण से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत को आधुनिक न्याय प्रणाली और अपराध जांच में सशक्त आधार मिलेगा। नई फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी, जैसे डीएनए फिंगरप्रिंटिंग, एलएसडी साइंस, साइबर सिक्योरिटी, बायोटेक्नोलॉजी और डिजिटल फॉरेंसिक अब स्थानीय स्तर पर सुलभ होंगी, जिससे जांच प्रक्रिया तेज और सटीक होगी। फॉरेंसिक जांच के लिए राजधानी या दिल्ली की आवश्यकता नहीं होगी, सारी जांच अटल नगर, नवा रायपुर में ही संभव होगी।

आई-हब की स्थापना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रीने कहा कि, यह प्लेटफॉर्म छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्टार्टअप कल्चर से जोड़ने, तकनीकी सहायता देने, फंडिंग मुहैया कराने और मार्केटिंग एवं अनुबंध जैसी प्रोफेशनल सेवाएं देने में सहायक होगा। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे खुद उद्योगपति बनें, स्टार्टअप शुरू करें और राज्य के औद्योगिक विकास में भागीदार बनें। यह आई-हब, गुजरात के मॉडल पर आधारित है और भविष्य में रायपुर से भी कई वैश्विक स्टार्टअप उभरने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनने के बाद 5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर एमओयू हुए हैं। इससे रोजगार, राजस्व और औद्योगिक संस्कृति को बल मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों ने नक्सल विरोधी अभियान को निर्णायक गति दी है। पहली बार ऐसा हुआ है कि वर्षा ऋतु में भी सुरक्षा बल सक्रिय हैं और नक्सलियों को चैन से रहने नहीं दे रहे। उन्होंने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने और छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में शामिल होने की अपील की। एनएफएसयू का स्थायी परिसर तीन वर्षों में पूर्ण रूप से विकसित होगा, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए फॉरेंसिक क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं खुलेंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मोदी सरकार के तहत एनएफएसयू से स्नातक करना रोजगार की गारंटी बनेगा। साथ ही देशभर में लागू हुए नए तीन आपराधिक कानूनों के संदर्भ में कहा कि इनका उद्देश्य है।

मार्च 2026 तक नक्सलवादमुक्त होगा देश

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार से दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर है। इस दौरान उन्होंने नक्सलवाद पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा के डीजीपी/एडीजीपी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रायपुर में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में विष्णुदेव की सरकार और उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उन्होंने एक रुके हुए नक्सल विरोधी अभियान को द्रुत गति से चलाया और राज्य को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़े हैं। कहा कि विष्णुदेव और विजय शर्मा ने नक्सलविरोधी अभियानों को न सिर्फ धार दी, बल्कि समय-समय पर इस अभियान का मार्गदर्शन किया, सुरक्षाबलों का हौंसला भी बढ़ाया और संपूर्णता के साथ इस लड़ाई में बहुत बड़ा योगदान दिया है। शाह ने दोहराया कि 31 मार्च, 2026 तक देश नक्सलवाद से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। जिस तरह से हमारे सुरक्षाबलों ने पराक्रम दिखाया है और सूचना एजेंसियों ने सटीक रणनीति बनाई है, उसके आधार पर हम इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे। हर वर्ष बारिश के मौसम में आराम करने वाले नक्सली इस बरसात में चैन की नींद नहीं सो पाएंगे क्योंकि हमारे सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी रहेगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने नक्सलवाद के रास्ते पर भटक कर गए सभी युवाओं से हथियार डालकर राज्य सरकार की आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाने की अपील की। युवाओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें विकास यात्रा में जुड़ने का इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा। कहा कि हिंसा के रास्ते पर चल रहे युवा सरकार पर भरोसा करें और समाज की मुख्यधारा में शामिल हों। इस तरह वे अपने आप देश की विकास यात्रा के साथ जुड़ जाएंगे। कहा कि सरकार ने सरेंडर करने वाले नक्सलियों से जो वायदा किया है, उसे पूरा किया जाएगा और उससे अधिक सहायता करने का प्रयास भी किया जाएगा।

उत्तर भारत में माओवादी का नेटवर्क सक्रिय करने की साजिश में एक और गिरफ्तारी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सीपीआई (माओवादी) द्वारा उत्तर भारत में अपना नेटवर्क फिर से सक्रिय करने की साजिश के मामले में विशाल सिंह को दिल्ली से गिरफ्तार किया। उसके घर से डिजिटल सबूत बरामद हुए। वह बिहार के जंगलों में संगठन की बैठकों में शामिल रहा है। इससे पहले अजय सिंघल को भी पकड़ा गया था। जांच अब भी जारी है।

एनआईए के अनुसार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा निवासी विशाल सिंह के पश्चिम दिल्ली स्थित घर से डिजिटल डिवाइस, हार्ड ड्राइव, पेन ड्राइव और मोबाइल फोन सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। जांच में सामने आया है कि विशाल सिंह ने 2019 में बिहार के घने जंगलों में सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति की बैठकों में भाग लिया था। उसने बिहार के छकबरबांदा, पंचरुखिया क्षेत्र में संगठन के नेताओं को ड्रोन पहुंचाया और अन्य सदस्यों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया।

एनआईए ने इससे पहले अगस्त 2024 में हरियाणा और पंजाब के स्टेट ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के प्रभारी अजय सिंघल उर्फ अमन को भी इसी मामले में गिरफ्तार किया था। यह साजिश संगठन की उत्तर भारत में सक्रियता बढ़ाने की योजना से जुड़ी है, जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। संगठन अंडरग्राउंड कैडरों और कुछ ओवरग्राउंड वर्कर्स के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में नेटवर्क खड़ा कर रहा था।

एनआईए ने बताया कि कई फ्रंटल संगठनों और छात्र इकाइयों का इस्तेमाल भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध छेड़ने की रणनीति के तहत किया जा रहा था। इन्हें संगठन के झारखंड स्थित पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो से धन प्राप्त हो रहा था।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना : 251 मृतकों के डीएनए सैंपल मैच, 245 शव परिजनों को सौंपे गए

अहमदाबाद। विमान दुर्घटना में अब तक 251 मृतकों के डीएनए सैंपल मिलान हो चुके हैं। इनमें से कुल 245 शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। आने वाले समय में 6 परिवार अपने स्वजनों के शव स्वीकार करेंगे। सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि विमान दुर्घटना के 245 मृतकों में 176 भारतीय नागरिक, 7 पुर्तगाली, 49 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई तथा 12 गैर-यात्री शामिल हैं। डॉ. जोशी ने कहा कि अब तक उदयपुर से 7, वडोदरा से 24, खेड़ा से 11, अहमदाबाद से 70, मेहसाणा से 7, बोटाद से 1, जोधपुर से 1, अरावली से 2, आणंद से 26, भरूच से 7, सूरत से 12, पालनपुर से 1, गांधीनगर से 7, महाराष्ट्र से 2, दीव से 14, जूनागढ़ से 1, अमरेली से 2, गिर सोमनाथ से 5, महीसागर से 1, भावनगर से 1, लंदन से 10, पटना से 1, राजकोट से 3, राजस्थान से 2, मुंबई से 10, नडियाद से 1, जामनगर से 2, पाटन से 3, द्वारका से 2, साबरकांठा से 1, नागालैंड से 1, मोडासा से 1, खंभात से 2, पुणे से 1, मणिपुर से 1 शव परिजनों को सौंपे गए हैं। उन्होंने कहा कि डीएनए सैंपल मिलान की प्रक्रिया अत्यंत संवेदनशील होती है और इसमें कानूनी पहलू भी शामिल होते हैं, इसलिए यह प्रक्रिया बहुत ही गंभीरता और तेजी के साथ पूरी की जा रही है। परिजनों को उनके स्वजनों के शव जल्द से जल्द सौंपे जा सकें, इसके लिए फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी एवं उससे जुड़ी अन्य संस्थाएं, स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग और अन्य एजेंसियां लगातार कार्य कर रही हैं।

ईरानी राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन वार्ता में प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय तनाव पर जताई चिंता

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने ईरान-इजराइल संघर्ष सहित क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने हालिया तनाव पर गहरी चिंता जताई और संवाद व कूटनीति को समाधान का मार्ग बताया।

वार्ता के दौरान राष्ट्रपति पेजेशकियान ने प्रधानमंत्री को क्षेत्र की वर्तमान स्थिति और ईरान-इजराइल संघर्ष पर विस्तार से जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने भारत की ओर से शांति और मानवता के पक्ष में खड़े रहने की बात कही। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए तुरंत तनाव कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस दिशा में संवाद और कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी और पुनर्वास में दिए जा रहे सहयोग के लिए राष्ट्रपति पेजेश्कियान का आभार व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस सहयोग में व्यापार, आर्थिक साझेदारी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा जन-जन के बीच संबंधों को प्रमुखता दी गई। दोनों नेताओं ने भविष्य में संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की। ईरान और इजराइल के बीच हाल ही में बढ़े सैन्य तनाव से पश्चिम एशिया में अशांति की स्थिति बनी हुई है। अब अमेरिका भी ईरान के तीन न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाकर इसमें शामिल हो गया है।

अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर ही पुनौरा धाम में होगा मां जानकी मंदिर का निर्माण

एजेंसी (हि.स.)
पटना

बिहार में सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में भव्य मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश ने रविवार को स्वयं एक्स पर इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सुबह सुबह बताया कि मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल हो गया है और अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर ही मां जानकी मंदिर का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही अपने सोशल मीडिया पर फाइनल डिजाइन की तस्वीरें भी साझा की हैं। मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा, मुझे बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जगत जननी मां जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम, सीतामढ़ी को समग्र रूप से विकसित किए जाने के लिए भव्य मंदिर सहित अन्य संरचनाओं का डिजाइन अब तैयार हो गया है, जिसे आपके साथ साझा किया जा रहा है। इसके लिए एक ट्रस्ट का भी गठन कर दिया गया है ताकि निर्माण कार्य में तेजी आ सके। हमलोग पुनौराधाम, सीतामढ़ी में भव्य मंदिर निर्माण शीघ्र पूरा कराने के लिए कृतसंकल्पित हैं। पुनौराधाम में मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण हम सभी बिहारवासियों के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है। मिथिला की पुण्य भूमि सीतामढ़ी में स्थित पुनौराधाम को माता सीता की जन्मस्थली माना जाता है।

बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौरा गांव में स्थित जानकी जन्मभूमि मंदिर को श्रद्धालु पुनौराधाम के नाम से भी जानते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहीं त्रेता युग में राजा जनक के खेत जोतने के दौरान माता सीता धरती से प्रकट हुई थीं। मिथिला की पावन कथा से जुड़ा इतिहास-पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख शुक्ल नवमी को जब मिथिला के राजा जनक बारिश की कामना में हल चला रहे थे, तभी उनका हल एक मिट्टी के बर्तन या कलश से टकराया। उसे बाहर निकालने पर एक कन्या शिशु प्राप्त हुई। जिसे उन्होंने सीता नाम दिया। इसी कारण यह स्थान हिंदू धर्म में विशेष पवित्रता और आस्था का केंद्र है। कालांतर में इसी पावन स्थल के नाम पर नगर का नाम सीतामड़ई, फिर सीतामही और अंततः सीतामढ़ी पड़ा।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में केंद्रीय कृषि इंजीनियरिंग संस्थान का किया दौरा

चौहान ने कृषि यंत्रीकरण के लिए देशभर में किसान मेले लगाने और विचार-विमर्श का आह्वान

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित आईसीएआर-केंद्रीय कृषि इंजीनियरिंग संस्थान (सीआईएई) का आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दौरा किया। इस दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि भारतीय कृषि के विकास में सीआईएई का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों के लिए अनुकूल और किसान-हितैषी तकनीकों के विकास की गति को और तेज करना जरूरी है, ताकि देश के हर कोने तक आधुनिक यंत्रीकरण पहुँच सके।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने संस्थान द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, संस्थान के अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) नेटवर्क के माध्यम से अगले दस वर्षों के लिए यंत्रीकरण की रूपरेखा तैयार की जाए। इससे विकसित भारत अभियान की दिशा में देश एक बड़ा कदम उठा सकेगा। उन्होंने इस दौरान छोटे इंजन या वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों से चलने वाली कृषि मशीनरी और सेंसर आधारित प्रणालियों के विकास पर बल दिया, ताकि सभी वर्ग के किसानों को समावेशी लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि खेती में तकनीकी नवाचार के साथ-साथ, किसानों की जरूरत के मुताबिक तकनीकों का खेत तक पहुँचना भी उतना ही जरूरी है।

शिवराज सिंह चौहान ने देश के विभिन्न हिस्सों में किसान मेले आयोजित करने और सभी हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर राष्ट्रीय यंत्रीकरण की रणनीति तैयार करने की बात के साथ ही यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों से किसानों को नई तकनीकों की जानकारी मिलेगी और उनकी समस्याओं का समाधान भी निकलेगा।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने संस्थान द्वारा विकसित ट्रैक्टर चालित प्लास्टिक मल्च लेयर-कम-प्लांटर सहित अन्य तकनीकों का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की तकनीकी उपलब्धियां किसानों की मेहनत और लागत दोनों में कमी लाएँगी और उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिए हमें किसानों की जरूरतों के अनुसार तकनीकी नवाचार, मृदा स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और यंत्रीकरण पर फोकस करना होगा। सभी वैज्ञानिकों और संस्थानों को मिलकर काम करना है, ताकि छोटे किसान भी तकनीकी लाभ से वंचित न रहें।

आईसीएआर-सीआईएई द्वारा विकसित ट्रैक्टर चालित प्लास्टिक मल्च लेयर-कम-प्लांटर में ऊंची क्यारियों का निर्माण, ड्रिप लेटरल और प्लास्टिक मल्च बिछाना तथा मल्च के नीचे बीज बोने का कार्य मैन्युअल रूप से करना कठिन, समयसाध्य और श्रमसाध्य होता है, जिसमें लगभग 29 मानव-दिन/हेक्टेयर की आवश्यकता होती है। इन सभी कार्यों को एक साथ करने के लिए ट्रैक्टर चालित प्लास्टिक मल्च लेयर-कम-प्लांटर विकसित किया गया है। इस यंत्र में ट्रैक्टर की हाइड्रोलिक प्रणाली का उपयोग करके हाइड्रोलिक मोटर (385 न्यूटन मीटर) तथा चेन-स्प्रोकेट ट्रांसमिशन सिस्टम के माध्यम से एक्सेंट्रिक स्लाइडर क्रैंक मैकेनिज्म संचालित किया जाता है, वहीं बीज मापने की इकाई में वैक्यूम ट्रैक्टर के पीटीओ से चलने वाले एस्पिरेटर ब्लोअर द्वारा तैयार किया जाता है।

एक्सेंट्रिक स्लाइडर क्रैंक मैकेनिज्म ड्राइविंग डिस्क की घूमने वाली गति को कनेक्टिंग रॉड के माध्यम से स्लाइडर क्रैंक में ऊर्ध्वाधर गति में बदल देता है और पंच प्लांटिंग मैकेनिज्म के डी प्रोफाइल को मिट्टी में खोलता है। प्न्यूमैटिक बीज मापने वाली प्लेट और एक्सेंट्रिक स्लाइडर क्रैंक मैकेनिज्म को इस प्रकार समकालिक किया गया है कि मापने वाली प्लेट द्वारा उठाया गया बीज बंद प्लांटिंग जॉ में डाला जाता है, जो बीज को पकड़े रखता है और स्लाइडर क्रैंक के माध्यम से प्लास्टिक मल्च में प्रवेश करने के बाद उसे छोड़ता है। यंत्र की प्रभावी कार्य क्षमता 0.2 हेक्टेयर/घंटा और कार्य कुशलता 74% है, जो 1.7 किमी/घंटा की गति और 1 मीटर कार्य चौड़ाई पर आधारित है। यंत्र की कुल लागत 3,00,000 और संचालन लागत 1500/घंटा है। इसका पेबैक पीरियड 1.9 वर्ष (444 घंटे) और ब्रेक-ईवन पॉइंट 70 घंटे/वर्ष है।

राज्यपाल ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित, शिक्षा को बताया राष्ट्र निर्माण का आधार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल शिक्षा समिति द्वारा राजधानी शिमला के सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित दो दिवसीय मेधावी छात्र सम्मान वर्ग कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर के 48 विद्यालयों से आए 154 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया।इनमें हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षा के टॉप प्रदर्शन करने वाले छात्र शामिल थे।

राज्यपाल ने कहा कि यह सम्मान समारोह केवल पुरस्कार वितरण नहीं, बल्कि परिश्रम, अनुशासन, संस्कृति और सेवा भावना से जुड़ी सच्ची शिक्षा को प्रोत्साहित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो केवल अपने भविष्य की चिंता न करें, बल्कि समाज और राष्ट्र के हित में भी योगदान दें। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को नौकरी का माध्यम न समझें, बल्कि इसे आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रयुक्त करें।

राज्यपाल ने कहा, ह्लसच्ची सफलता वही है जिसमें समाज की सेवा जुड़ी हो, ज्ञान तभी उपयोगी होता है जब वह विनम्रता से जुड़ा हो और शिक्षा तभी सार्थक होती है जब वह आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति को जन्म देती है।उन्होंने विद्या भारती द्वारा प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों जैसे किलाड़ और डोडरा क्वार में भी शिक्षा का अलख जगाने की सराहना की। वर्तमान में हिमाचल में विद्या भारती के 190 विद्यालयों में 2000 शिक्षक लगभग 26 हजार विद्यार्थियों को शिक्षित कर रहे हैं।

राज्यपाल ने छात्रों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और उनके प्रयासों की सराहना की।इस मौके पर विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री देशराज शर्मा ने कहा कि विद्या भारती भारतीय संस्कृति आधारित शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा दे रही है और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि विद्या भारती से शिक्षित अनेक छात्र आज उच्च पदों पर राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं।

पूर्व आईएएस अधिकारी अशोक कुमार मोहापात्रा की पुस्तक आनन्द का हुआ विमोचन

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

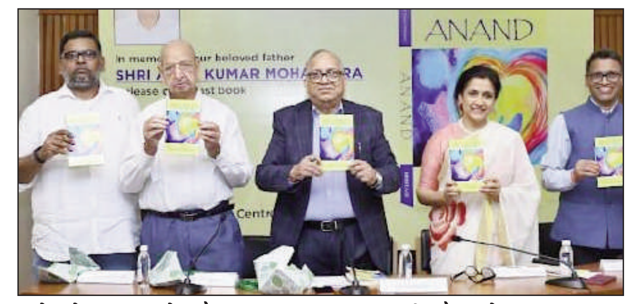

हिमाचल प्रदेश के पूर्व आईएएस अधिकारी और भारत सरकार के पूर्व सचिव दिवंगत अशोक कुमार मोहापात्रा की पुस्तक ₹आनन्द₹ का इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में विमोचन किया गया। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस एके पटनायक मुख्य अतिथि रहे।दिल्ली में आयकर विभाग की कमिश्नर सूजन थॉमस गेस्ट ऑफ ऑनर रहीं।हेरिटेज पब्लिकेशन के सीएमडी बीआर चावला को इस अवसर पर विशेष रूप से बुलाया गया था।

आनन्द का लॉच दिवंगत अशोक कुमार मोहापात्रा की मृत्यु के लगभग पांच साल बाद किया गया क्योंकि उनकी मृत्यु के बाद कोरोना महामारी ने दस्तक दे दी। इसके बाद किताब को अंतिम स्वरुप उनके परिजनों ने दिया। इस पुस्तक को दिवंगत अशोक कुमार मोहापात्रा और उनकी पत्नी वन्दना मोहपात्रा की शादी की 54वीं सालगिरह के अवसर पर लांच किया गया।

इस किताब में अशोक कुमार मोहापात्रा ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण पलों को फिक्शन के तौर पर प्रस्तुत किया है। इसमें उन्होंने बताया कि जिलाधीश कुल्लू रहते हुए कैसे एक किसान को उसके हकों से वंचित किया गया था और पूरा प्रशासन उसे मानसिक विक्षिप्त घोषित कर चुका था। उसे उसका हक दिलाया। इस पुस्तक में उन्होंने हिमाचल और अपनी केन्द्र सरकार में विभिन्न पदों पर तैनाती के दौरान अपने अनुभवों को शेयर किया है और लिखा है की किस तरह राजनैतिक दवाब के बाबजूद उन्होंने अनेक मौकों पर जन कल्याण कारी फैसले कार्यन्वित किए।

उधर आईएएस अधिकारी देबशीश प्रुस्ती ने इस पुस्तक के प्रकाशन के लिए हेरिटेज पब्लिकेशन के सीएमडी बीआर चावला की सेवाओं की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। बीआर चावला ने इस पुस्तक के बारे में दिवंगत अशोक कुमार मोहापात्रा से उनकी मुलाकातों का जिक्र किया और कहा कि वह उनके व्यवहार और व्यक्तित्व से काफी प्रभावित हुए। ओडिशा के जगतपुर जिला के मा सरला में पैदा हुए अशोक कुमार मोहापात्रा ने उत्कल विश्वविद्यालय से गोल्ड मैडल ग्रहण किया तथा उत्कल विश्व विद्यालय में लेक्चरर की नौकरी शुरू की और बाद में हिमाचल प्रदेश में 1971 बैच के आईएएस अधिकारी तैनात किये गए।

इस अवसर पर उनके साथ काम कर चुके अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किये और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

किसमें कितना है दम, छाई मंडी की जानवी शर्मा

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के छोटे से गांव कटेरु की रहने वाली जानवी शर्मा ने किसमें कितना है दम में अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया।उन्होंने अभी हाल ही में हुए टीवी रियलिटी शो किसमें कितना है दम सीजन -11 उत्तरी भारत के 4 राज्यों हिमाचल, पंजाब, हरियाणा व उत्तराखंड के लिए आयोजित महा मुकाबले में डान्स परफॉरमेंस में द्वितीय स्थान हासिल किया है। जानवी शर्मा गुरु गोविंद सिंह पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंडी में आठवीं कक्षा की छात्रा है उसकी पिता बस कंडक्टर और माता मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति में वित्तीय साक्षरता परियोजना में डाटा ऑपरेटर का कार्य करती है। उनकी माता ने बताया की जानवी को बचपन से ही पेंटिंग व डांस का शौक था लेकिन सुविधाओं के अभाव के कारण हम उसको कोई डांस क्लास नहीं लगा सकते थे। लेकिन जानवी ने अपने शौक को जिन्दा रखा और यु ट्यूब व टीवी देख देख कर अपना अभ्यास जारी रखा। फिर एक दिन उसके स्कूल में टीवी रियलिटी शौ की टीम आई और बच्चों को उनकी प्रतिभाओं को उभारने हेतु चलाये जा रहे किसमें कितना है दम महा मुकाबले के बारे में बताया। जानवी के लिए यह बात सोने पे सुहागे जैसी थी। जानवी ने घर आकर अपनी मां को इसके बारे में बताया। घर से अनुमति मिलने के बाद जानवी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा एक के बाद एक राउंड जितने के बाद संगरूर में फाइनल मुकाबले में जानवी ने दूसरा स्थान हासिल किया।

खुदाई से संबंधित विभागों और निर्माण एजेंसियों को सीबीयूडी एप के प्रयोग का दिया जाएगा प्रशिक्षण : अपूर्व देवगन

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

भूमिगत आधारभूत संरचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए सीबीयूडी एप के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु आज मंडी में उपायुक्त अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों, निर्माण एजेंसियों और संबंधित हितधारकों ने भाग लिया।

उपायुक्त ने बताया कि खुदाई कार्य आरंभ करने से पूर्व संबंधित विभागों को सूचना देना अब अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि भूमिगत जलापूर्ति पाइपों, गैस पाइपलाइन, विद्युत केबल और संचार केबल को क्षति से बचाया जा सके।

उन्होंने जानकारी दी कि मंडी जिले में अभी तक लोक निर्माण विभाग द्वारा केवल तीन और केंद्रीय संस्थानों द्वारा 48 सूचनाएं ही इस एप पर दर्ज की गई हैं। उन्होंने बताया की सभी विभागों और निर्माण एजेंसियों को ह्लसीबीयूडीह्वएप के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही आम जनता के लिए भी विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी खुदाई कार्य सुरक्षित और नियमों के अनुरूप हों। यह एप दूरसंचार विभाग, भारत सरकार की एक नवाचारी पहल है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति या संस्था खुदाई कार्य शुरू करने से पूर्व उस क्षेत्र में स्थित भूमिगत संरचनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकता है। एप में खुदाई का विवरण दर्ज करने पर संबंधित विभागों को स्वतः सूचना भेज दी जाती है।

नगर निगम मंडी के वार्ड नंबर दो में वार्ड सभा का आयोजन

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

नगर निगम मंडी के वार्ड नंबर दो के शितलामाता मंदिर परिसर में वार्ड सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता महापौर वीरेंद्र भट्ट शर्मा ने की। इस वार्ड सभा का मुख्य उद्देश्य आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना तथा क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा कर त्वरित समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना था। जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सभा के प्रारंभ में महापौर ने प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत पात्र नागरिकों को मिलने वाली सहायता की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जिन नागरिकों के पास अभी तक पक्के मकान नहीं हैं, वे योजना के तहत आवेदन कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए पात्र लाभार्थियों को भवन निर्माण हेतु 2.50 लाख रू0 की धनराशि 4 किश्तों में प्रदान की जाएगी।इसके साथ ही भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025-26 हेतु एनएसआईसी प्रशिक्षण केंद्र, मंडी में चलाए जा रहे निःशुल्क एटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में बढ़ावा मिलेगा।स्थानीय समस्याएं और समाधान के लिए प्रयास सभा में उपस्थित नागरिकों ने क्षेत्रीय विकास से जुड़ी कई समस्याएं भी रखीं, जिनमें विशेष रूप से भीमाकाली रोड पर व्यास सदन के समीप जर्जर वर्षा शालिका को लेकर चिंता व्यक्त की गई। नागरिकों ने इसके शीघ्र पुनर्निर्माण की मांग की। पुरानी मंडी से भीमाकाली रोड तक जल शक्ति विभाग द्वारा पाइपलाइन बिछाने हेतु सड़क को उखाड़ा गया था। जिसकी मुरम्मत नही करवाई गई है और इस कारण उत्पन्न समस्याएं के बारे बताया।वहीं पर ठारू बस स्टॉप के समीप खुदाई के बाद पाइप न बिछाए जाने से उत्पन्न जलभराव की समस्या के समाधान की मांग की गई।

इस पर महापौर वीरेंद्र भट्ट ने बताया कि उन्होंने स्वयं एनएचएआई और जल शक्ति विभाग के अधिकारियों से कई बार पत्राचार व निरीक्षण करवा चुके हैं, परंतु अपेक्षित कार्यवाही अब तक नहीं की गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे इस विषय को पुनः उच्च स्तर पर उठाएंगे। पानी के बिल, स्वच्छता और वर्षा पूर्व तैयारियों पर विमर्श सभा में जल बिलों के भुगतान को लेकर भी चर्चा की गई।

महापौर ने बताया कि विभाग से वार्ता कर बिलों का भुगतान तीन किश्तों में करने की सुविधा प्रदान करने हेतु सहमति प्राप्त की गई है।नगर निगम द्वारा संभावित आपदाओं से निपटने हेतु नालियों, नालों, बावडियों एवं नदियों की सफाई करवाई जा रही है।

साथ ही, वार्ड स्तर पर गठित आपदा प्रबंधन समितियों के सदस्यों से भी अपेक्षा की जाती है कि वे सजग एवं सतर्क रहें। नशा उन्मूलन और सामुदायिक सहभागिता का आह्वान महापौर ने समाज को नशे की समस्या से मुक्त करने के लिए जन सहभागिता की अपील की और कहा कि इस दिशा में पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक समाज स्वयं जागरूक नहीं होगा, तब तक इस चुनौती से पूरी तरह से निपटना संभव नहीं है।

करंट लगने से मजदूर घायल ठेकेदार पर एफआईआर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जिला शिमला के चौपाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां बिजली लाइन पर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के काम कर रहे एक मजदूर को करंट लग गया। पुलिस ने इस घटना में ठेकेदार की लापरवाही के चलते मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धाची गांव निवासी नजीर अहमद पुत्र आमिर हमजा ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 21 जून को ठेकेदार राजेश ने उसके छोटे भाई को फोन कर झिकनीपुल के पास बिजली लाइन बदलने का कार्य बताया और मजदूरों को साथ लाने को कहा। इसके बाद नजीर, रहमत अली, अलीजान और महबूब काम के लिए वहां पहुंचे।

शुरूआत में इन्होंने झालास गांव में खंभों से तार हटाए।इसके बाद ठेकेदार ने उन्हें एक खड्ड के उस पार स्थित इलाके में लाइन हटाने के लिए यह कहकर भेजा कि बिजली बंद है। आरोप है कि ठेकेदार ने उन्हें सुरक्षा के नाम पर सिर्फ रस्सी दी थी, कोई अन्य उपकरण नहीं।

दोपहर करीब 12 बजे जब वे सुनथ गांव में एक खंभे पर पहुंचे तो महबूब तार हटाने के लिए खंभे पर चढ़ गया। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आकर नीचे गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से महबूब को प्राथमिक उपचार के लिए सीएच नेरवा लाया गया, जहां से उसे गंभीर हालत में आईजीएमसी शिमला रेफर कर दिया गया।इस घटना को लेकर पुलिस थाना चौपाल में भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 और 125(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

संक्षिप्त-समाचार

डीएसपी आमिर अमीन भट(जेकेएएस) का अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन

लंगेट। दुखद घटनाक्रम में उजरू लंगेट के निवासी डीएसपी आमिर अमीन भट (जेकेएएस) का अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। आमिर अमीन ने हाल ही में 2024 में प्रतिष्ठित जेकेएएस परीक्षा उत्तीर्ण की थी और उन्हें व्यापक रूप से सार्वजनिक सेवा में एक आशाजनक भविष्य वाले एक उज्ज्वल और प्रतिबद्ध अधिकारी के रूप में माना जाता था। अपनी विनम्रता, समर्पण और शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए जाने वाले, उनके असामयिक निधन ने स्थानीय समुदाय और प्रशासनिक हलकों को गहरे सदमे में डाल दिया है। पारिवारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि युवा अधिकारी को दिल का दौरा पड़ा था। पूरे क्षेत्र से शोक संवेदनाएँ आ रही हैं, सहकर्मियों, दोस्तों और नागरिक समाज ने ऐसे गतिशील और प्रतिभाशाली व्यक्ति के नुकसान पर दुख व्यक्त किया है। लंगेट के उजरू में उनके पैतृक गाँव में अंतिम संस्कार की प्रार्थना की जाएगी।

पहलगाम हमला: आतंकियों को पनाह देने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पहलगाम हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। एजेंसी की तरफ से रविवार को बताया गया कि बटकोट के परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के हिल पार्क के बशीर अहमद जोथर ने हमले में शामिल तीन सशस्त्र आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है। उन्होंने यह भी पुष्टि की है कि हमलावर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक थे। एनआईए ने कहा कि परवेज और बशीर ने हमले से पहले हिल पार्क में एक मौसमी ढोक (झोपड़ी) में तीन सशस्त्र आतंकवादियों को जानबूझकर पनाह दी थी। दोनों ने आतंकवादियों को भोजन, आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी, जिन्होंने 22 अप्रैल को पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-चुन कर मार डाला। एनआईए ने दोनों को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। आगे की जांच जारी है।

बारामुला में आपत्तिजनक सामग्री और जिंदा गोला-बारूद बरामद, एक संदिग्ध गिरफ्तार

श्रीनगर। पुलिस ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले में तलाशी अभियान के दौरान एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया और उसके पास से जिंदा गोला-बारूद समेत आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। पुलिस ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन पट्टन की 2024 की एफआईआर के संबंध में यूएपीए की धारा 10 और 13 और आईपीसी की धारा 121 और 121-ए के तहत दर्ज मोहम्मद मकबूल डार उर्फ जावेद डार के घर पर छापेमारी की गई। पुलिस ने एक बयान में कहा कि तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने उक्त स्थान से प्रतिबंधित संगठन जम्मू-कश्मीर नेशनल फ्रंट से जुड़े पोस्टर और एके-47 की 20 जिंदा गोलियां बरामद कीं। बरामद सामग्री को मौके पर ही जब्त कर लिया गया और उचित कानूनी प्रक्रियाओं के तहत साक्ष्य के तौर पर लिया गया। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि बरामदगी की प्रकृति को देखते हुए मामले में अतिरिक्त प्रावधान- यूएपीए की धारा 23 और आर्म्स एक्ट की धारा 7/25 भी लगाई गई है।

सोपोर में नकली पुलिसकर्मी गिरफ्तार, फर्जी आईडी और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोपोर के हारवान क्रॉसिंग पर नाका चेकिंग के दौरान एक फर्जी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बरकत अहमद वार (पुत्र सना उल्लाह वार, निवासी जलूरा) के रूप में हुई है, जो पेशे से ड्राइवर है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्कता के चलते उसे तुरंत पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक नकली पुलिस पहचान पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने जनता को गुमराह करने और पुलिस विभाग के नाम का दुरुपयोग कर व्यक्तिगत लाभ उठाने के उद्देश्य से फर्जी आईडी कार्ड बनवाया था। पुलिस स्टेशन बोमाई में इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी के मंसूबों, किसी संभावित दुरुपयोग और उसके किसी बड़े नेटवर्क से जुड़े होने की जांच कर रही है। सोपोर पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की पहचान का फर्जीवाड़ा एक गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बडगाम ट्रांसफार्मर ब्लास्ट में घायल हुए दो पीडीडी कर्मचारियों की मौत

बडगाम। 13 जून को बडगाम रिसीविंग स्टेशन पर एक बड़ा ट्रांसफार्मर ब्लास्ट जानलेवा साबित हुआ क्योंकि बिजली विकास विभाग (पीडीडी) के दो घायल कर्मचारियों ने देर रात एसएमएचएस अस्पताल में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार,यह ब्लास्ट उस समय हुआ जब ट्रांसफार्मर की मरम्मत का कार्य किया जा रहा था। हादसे में जूनियर इंजीनियर हितेश वली नवासी जम्मू और तकनीशियन मंजूर अहमद डार पुत्र मोहम्मद इस्माइल डार, निवासी खानपोरा बडगाम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को पहले जिला अस्पताल बडगाम में प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए एसएमएचएस अस्पताल रेफर कर दिया गया,जहां शनिवार देर रात उनकी मौत हो गई।

मंडी जिला में 26 जून तक भारी वर्षा और आंधी-तूफान की चेतावनी, डीसी ने सतर्कता बरतने की अपील की

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

भारत मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा मंडी जिला के लिए 22 जून से 26 जून तक भारी वर्षा, तेज हवाओं और आसमानी बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान मौसम विभाग ने 22, 24 और 25 जून को येलो अलर्ट तथा 23 और 26 जून को ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है।इस चेतावनी को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त अपूर्व देवगन ने जिला के नागरिकों, पर्यटकों तथा यात्रियों से अपील की है कि वे अत्यधिक सतर्कता बरतें और अनावश्यक रूप से ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों, नदी-नालों के समीप, भूस्खलन संभावित स्थानों तथा अधिक ऊंचाई वाले इलाकों की यात्रा से बचें।

उपायुक्त ने कहा कि लगातार वर्षा और तेज हवाओं के कारण भूस्खलन, सड़कें बंद होने, पेड़ों के गिरने और बिजली आपूर्ति बाधित होने जैसी घटनाएं हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में आमजन से अनुरोध है कि मौसम की जानकारी के लिए प्रशासन और मौसम विभाग द्वारा समय-समय पर जारी एडवाइजरी पर ध्यान दें तथा आवश्यक सावधानियां अपनाएं। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे पूर्ण सतर्कता बरतें और राहत व बचाव के लिए आवश्यक संसाधनों सहित तैयार रहें, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।किसी भी आपात स्थिति में नागरिक जिला आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 01905-226201, 226202, 226203, 226204 या टोल फ्री नंबर 1077 पर संपर्क कर सकते हैं।

एचपी शिवा परियोजना से बदली खगराओं गांव के किसानों की तकदीर

बागवानों को मिले प्लम के अच्छे दाम

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

हिमाचल प्रदेश को फल उत्पादक राज्य बनाने और किसान परिवारों की आय बढ़ाते हुए उनकी आजीविका में सुधार करने की दिशा में प्रदेश सरकार सराहनीय कार्य कर रही है।सरकार की महत्वकांक्षी योजना, बागवानी विभाग के सहयोग और किसानों की मेहनत से मंडी जिला के सुंदरनगर विधान सभा क्षेत्र का गांव खगरांओ एक फल गांव के रूप में विकसित हो रहा है। बागवानी विभाग द्वारा खगरांओ गांव के 36 किसानों का एक क्लस्टर बनाया गया। गांव के 36 किसान परिवारों ने हिमाचल प्रदेश शिवा परियोजना में 11.5 हेक्टयेर में प्लम का बगीचा तैयार कर उदाहरण पेश किया है। यहां प्लम के चार प्रकार ब्लैक एंबर, रेड ब्यूट, सेंटा रोसा, फ्रायर के लगभग 7428 पौधे लगाए गए हैं। इससे जंगली और बेसहारा जानवरों के प्रकोप और सिंचाई की सुविधा के आभाव में अनुपयोगी भूमि भी किसानों की अच्छी कमाई का जरिया बन गई है।

किसानों की मेहनत व सरकार के सहयोग से बंजर भूमि गुलजार होने से पूरे गांव की तस्वीर और तकदीर बदल गई है। विभाग द्वारा किसानों को बगीचे में भूमि विकास, सिंचाई सुविधा के लिए टपक सिंचाई सुविधा, दो लाख लीटर क्षमता का टैंक, पंप हाउस, दो बोर वैल, बिजली उपलब्धता के लिए बिजली का ट्रांसफार्मर, सोलर बाड़बंदी, मशीनरी, कृषि उपकरण, उर्वरक, कीटनाशक इत्यादि निःशुल्क उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके अलावा प्लम की चार उन्नत किस्मों के 7428 पौधे भी उपलब्ध करवाए गए हैं। परियोजना के अंतर्गत समय-समय पर किसानों को निःशुल्क प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

सुंदरनगर की ग्राम पंचायत भलाणा के लाभार्थी व क्लस्टर के प्रधान संजय कुमार ने कहा कि उन्होंने प्लम का बगीचा वर्ष 2021 में एचपी शिव परियोजना के तहत लगाया है।इसमें चार किस्म के प्लम लगाए गए हैं।उसके बाद वर्ष 2022, 23 और 24 में भी पौधे लगाए गए। इसमें हम 36 किसान जुड़े हुए हैं। आज से पहले यहां कुछ भी नहीं होता था, बस गंदम और मक्की बीजते थे जिससे हमारी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी। इस परियोजना से हमारी आय के साधन में बढ़ोतरी हुई है। हमें निःशुल्क प्लम के पौधे, पानी की सुविधा और बाड़बंदी भी की गई है। पौधों के लिए मल्चिंग शीट का भी प्रावधान रखा हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष 400 पौधों में लगभग 5 क्विंटल प्लम की फसल तैयार हुई है, जिसका अच्छा दाम भी मिला है। प्लम अधिकतम 195 रुपए प्रति किलो और न्यूनतम 100 रुपए प्रति किलो से कम नहीं बिका है जिसके लिए हम बहुत खुश हैं कि भविष्य में भी हमारी आय का स्त्रोत बढ़ता रहेगा। यह परियोजना हमारे गांव के लोगों के लिए रोजगार का साधन बना हुआ है जिसके लिए हम सरकार का धन्यवाद करते हैं।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

नई औद्योगिक नीति शीघ्र ही घोषित की जाएगी: राव नरबीर सिंह

विभाग के बजट में अभूतपूर्व वृद्धि चालू वित्त वर्ष के लिए 1848 करोड़ रुपये का किया गया प्रावधान

संवाददाता
चंडीगढ़

हरित क्रांति से श्वेत क्रांति के बाद नील क्रांति का अग्रदूत बना कृषि प्रधान हरियाणा प्रदेश अब औद्योगिक क्रांति की ओर अग्रसर है। स्टार्टअप से लेकर 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप विकसित करने का सरकार का प्रस्ताव है जो प्रदेश की औद्योगिक क्रांति की नई गाथा लिखेंगे और शीघ्र ही कई नीतियों के लिए नए मसौदे ड्राफ्ट तैयार करके नई औद्योगिक नीति लाने की योजना है।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी देश व प्रदेश का विकास उद्योगों के बिना संभव नहीं है। प्रदेश में औद्योगिक विकास को और अधिक बढ़ावा देने के लिए हमने अपने किए गए वायदे के अनुरूप के प्रस्ताव को तेजी से कार्य आरंभ किया है। इसके लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वित्त मंत्री के रूप में उद्योग क्षेत्र को अपने बजट में प्राथमिकता दी है और चालू वित्त वर्ष में उद्योग विभाग के बजट में 126 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 1848 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले 5-6 वर्षों में औद्योगिक क्षेत्र में नया बदलाव देखने को मिले, उद्योग मंत्री के रूप में यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

उद्योग मंत्री ने कहा कि जब गुरुग्राम में मारुति ने अपनी पहली इकाई स्थापित की थी, उसमें यह शहर औद्योगिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था। आज विश्व की बहुउद्देशीय कम्पनी ने अपनी इकाइयां स्थापित की है और गुरुग्राम ने आज देश के साइबर सिटी के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के साथ लगते मेवात में नई आईएमटी विकसित की जाएगी। मानेसर के बाद मेवात में मेसर्स एम्परेक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपनी इकाई स्थापित करने में रुचि दिखाई है। कम्पनी द्वारा प्रस्तावित अपने 7,083 करोड़ रुपये में से 2460 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मेवात देश के 100 आकांक्षित पिछड़े जिलों में से एक है। प्रदेश सरकार का प्रयास रहेगा कि आने वाले समय में मेवात में प्रदेश के अन्य जिलों की तरह एक विकसित जिला बने।

उन्होंने कहा कि टैक्सटाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा आत्मनिर्भर वस्त्र नीति 2025 लागू की है। पानीपत, गुरुग्राम और फरीदाबाद में टैक्सटाइल उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। इस नीति के तहत उद्योगों को 1200 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया है।

- हरित क्रांति के बाद औद्योगिक क्रांति की ओर अग्रसर कृषि प्रधान हरियाणा प्रदेश
- स्टार्टअप व नई औद्योगिक मॉडल टाउनशिप लिखेंगे औद्योगिक क्रांति की नई गाथा

राव नरबीर सिंह ने कहा कि 10 एकड़ क्षेत्र में जहां 50 औद्योगिक यूनिट स्थापित हो सके इसके कन्फर्मेशन जॉन घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि पंचकूला में उद्यमियों को एनओसी देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित किया गया है।

प्रदेश के अन्य जिलों में भी इसी प्रकार के सिस्टम खोले जाएंगे ताकि उद्यमियों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े।

मनोहर लाल ने बाबा बंदा सिंह बहादुर लौहगढ फाउंडेशन ट्रस्ट के कार्यालय का उद्घाटन किया

संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस व्यासपुर में बने बाबा बंदा सिंह बहादुर लौहगढ फाउंडेशन ट्रस्ट के कार्यालय का उद्घाटन रविवार को रिबन काटकर किया। इस अवसर पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री की अध्यक्षता में बाबा बंदा सिंह बहादुर लौहगढ ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में लौहगढ स्मारक की निर्माण प्रक्रिया शुरू किए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में स्मारक की निर्माण प्रक्रिया की निगरानी के लिए मॉनिटरिंग कमेटी एवं एक्सपर्ट कमेटी एवं सिख विरासत से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में बाबा बंदा सिंह बहादुर लौहगढ फाउंडेशन ट्रस्ट के नाम पर दान देने वाले व्यक्ति/संस्थाओं को आयकर में छूट देने की व्यवस्था पर भी विचार किया गया। ग्राम पंचायत भगवानपुर की 20 एकड़ 3 कनाल 11 मरले भूमि को बाबा बंदा सिंह बहादुर लौहगढ फाउंडेशन ट्रस्ट को स्थानांतरित किया गया है। बैठक में

बाबा बंदा सिंह बहादुर लौहगढ फाउंडेशन ट्रस्ट के अधीन विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु एवं अन्य संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में किसान युवा क्लब के संस्थापक राकेश बेनिवाल एवं उनके सहयोगी अमन विर्क ने बाबा बंदा सिंह बहादुर लौहगढ फाउंडेशन ट्रस्ट के नाम दान स्वरूप 11 लाख रुपये का चैक केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर को सौंपा। इसके लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया और लोगों से अपील की कि वे इस प्रकार की धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।

बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, एसीएस हरियाणा सरकार वीजेन्द्र कुमार, मंडलायुक्त अंबाला संजीव वर्मा, के.एम. पांडुरंग महानिदेशक सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा, निदेशक पर्यटन विभाग हरियाणा डॉ. शालीन, पूर्व मंत्री कंवरपाल, पूर्व सांसद संजय भाटिया, उपायुक्त पार्थ गुप्ता, सीईओ जिला परिषद वीरेन्द्र सिंह ढुल, डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह एवं विशेष आमंत्रित डॉ. प्रभलीन सिंह ओएसडी टू सीएम, अनिल कुमार दहिया, मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी (बी एंड आर) हरियाणा, सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक वर्षा खंगवाल, एसडीएम बिलासपुर जसपाल सिंह गिल उपस्थित रहे।

डीटीपी कार्यालय का ड्राईवर एक लाख रिश्वत सहित गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
फरीदाबाद

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) द्वारा डीटीपी सेक्टर-12 में तैनात ड्राईवर को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 7 पी.सी. एक्ट, 1988 के तहत मामला दर्ज किया है। एसीबी प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि शिकायतकर्ता ने एसीबी फरीदाबाद को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 2 जून, 2025 को वह डी.टी.पी. कार्यालय सैक्टर-12 फरीदाबाद में जाकर राहुल सिंगला, डी.टी.पी. से मिला। जिसने उसके मकान पर तोडफोड़ की कार्रवाई न करने का आश्वासन दिया। डी.टी.पी. को मिलने के बाद व वह डयूटी मैजिस्ट्रेट मुसफीक से मिला तो उसने उसके मकान की तोडफोड़ की कार्रवाई न करने बारे डी.टी.पी. कार्यालय में तैनात ड्राईवर इर्शाद से मिलाया और कहा कि इर्शाद ड्राईवर उसको सब कुछ समझा देगा। इसके बाद इर्शाद ड्राईवर के फोन नम्बर उसके ऑफिस में कार्यरत रजत के फोन आया। इर्शाद ने रजत से मेरे मकान की तोडफोड़ न करने की एवज में मिठाई लगने बारे तथा इस बारे अपने मालिक को बता देना बारे कहा गया। 21 जून 2025 को उसके द्वारा उसके कार्यालय में लगे रजत के फोन से इर्शाद ड्राईवर उपरोक्त को फोन किया। इस पर उसके द्वारा मकान की तोडफोड़ न करने की एवज में उससे मिठाई के कोड-वर्ड में रिश्वत की मांग की गई। वह मजबूरी वश एक लाख रू. रिश्वत राशि देने के लिये तैयार है। शिकायतकर्ता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुये एसीबी फरीदाबाद टीम द्वारा ड्राईवर इर्शाद, कार्यालय डी.टी.पी. को शिकायतकर्ता से एक लाख रू. नकद रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। इस प्रकरण में अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों की संलिप्तता बारे तफ्तीश जारी है। यह पूरी कार्यवाही स्वतन्त्र गवाहों के समक्ष पूरी पारदर्शिता के साथ की गई।

स्वच्छ पलवल-सुंदर पलवल और हरित पलवल अभियान में प्रत्येक नागरिक बने भागीदार: गौरव गौतम

संवाददाता
चंडीगढ़,

पलवल शहर की न्यू कॉलोनी के श्रद्धानंद पार्क में आज प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के समापन अवसर पर जनभागीदारी के साथ राहगीरी कार्यक्रम मिलकर रहो, खुलकर जियो का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, कानून विधायी राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

इस मौके पर मंत्री श्री गौरव गौतम ने एमसी पलवल का 'लोगो' भी लांच किया और स्वच्छ पलवल-सुंदर पलवल और हरित पलवल की परिकल्पना को साकार करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि सरकार व जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य पलवल को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाकर देशभर में नंबर वन बनाना है, इसके लिए सरकार व जिला

प्रशासन की ओर से हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि हमें स्वच्छता को अपनाने में कोई संकोच व शर्म नहीं करनी चाहिए बल्कि जहां कहीं भी इस प्रकार का स्वच्छता अभियान चल रहा हो वहां बढ़-चढ़कर श्रमदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पलवल की सफाई व्यवस्था बिल्कुल दुरूस्त नजर जाएगी, जिसके लिए नगर परिषद को पलवल को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए हर प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि पलवल का सौंदर्यीकरण करने के उद्देश्य से शहर के अंडरपास और चौक-चौराहों को ऐतिहासिक धरोहरों और महान विभूतियों की वॉल पेंटिंग से सजाने का कार्य जारी है। उन्होंने आमजन विशेषकर युवाओं से स्वच्छ व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आान करते हुए कहा कि भारत सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में स्वच्छता और सफाई को हर घर तक पहुंचाने के लिए कृतसंकल्प है, जिसके लिए हर व्यक्ति को स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा।

मंत्री ने इस अवसर पर पौधारोपण करते हुए आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी हमारी माता है और इसका संरक्षण करना हम सबका परम हमारा धर्म है। हर व्यक्ति को एक पेड़ मां के नाम अभियान में भागीदार बनते हुए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसका संरक्षण करने का संकल्प भी लेना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता योद्धाओं को सेफ्टी जैकेट के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ, एएसपी शुभम सिंह व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

झज्जर जिला को डीएसआर योजना में शामिल करने की मांग

झज्जर। भारतीय किसान संघ ने धान उत्पादक किसानों को उचित लाभ पहुंचाने के लिए झज्जर जिला को भी डीएसआर योजना में शामिल करने और पिछले रबी के सीजन में खेती को हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग की है।भारतीय किसान संघ जिला झज्जर की बैठक रविवार को ग्वालिसन गांव में जिला अध्यक्ष धर्मवीर गुलिया की अध्यक्षता और प्रदेश अध्यक्ष सतीश छिकारा की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। जिला अध्यक्ष धर्मवीर गुलिया ने बैठक में मौजूद जिला व खंड के कार्यकताओं को ग्रामसमितियों के खंड स्तर पर प्रशिक्षण वर्ग लगाने बारे बताया ओर कार्यक्रम तय किए। जिला उपाध्यक्ष रवींद्र धनखड़ को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार डीएसआर विधि से धान की बुवाई करने पर किसान को 4500 रुपये देती है। लेकिन झज्जर जिला को इस स्कीम से बाहर रखा हुआ है, जबकि झज्जर जिले में डीएसआर के तहत धान बोने वाले किसानों की संख्या हजारों में है। इसलिए झज्जर जिला के किसानों को भी इस योजना का लाभ अवश्य मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि पिछले रबी सीजन में गेहूं की फसल में काफी नुकसान किसान को हुआ था जिसके लिए सरकार ने नुकसान पूर्ति पोर्टल भी खोला था मगर आज तक भी किसान को कुछ नहीं मिला है। जबकि नुकसान का मुआवजा किसानों को समय पर मिलना चाहिए। ए

संत कबीर छात्रावास में मनाई संत कबीर जयंती

जींद। अशरफगढ़ रोड पर निमार्णाधीन छात्रावास में रविवार को संत कबीर की जयंती श्रद्धा व धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आगाज संत कबीर, बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर, संत रविदास और भगवान वाल्मीकि की मूर्ति पर माल्यार्पण से हुआ। जयंती कार्यक्रम में संत कबीर दास के दोहों की गूंज रही। जयंती कार्यक्रम में हरिकेश पपोसा ने मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत की और कमरा दान राशि देने वाले दानियों को पगड़ी पहना कर सम्मान किया। संस्था में सबसे कम उम्र की लड़की रितू दुग्गल को मंच पर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि कबीरदास ने पाखंडवाद और कर्मकांड में उलझी मानवजाति को इनसे दूर रहने का संदेश दिया। संत कबीर जी के दोहे आज भी प्रासंगिक हैं। जिनमें जीवन का मूल रहस्य छिपा है। कार्यक्रम में संत कबीर महासभा जींद के ऐसे दिवंगत आजीवन सदस्यों के परिवार के लोगों को सम्मानित किया गया जो संस्था के सदस्य रहे हैं। इसी प्रकार संस्था के ऐसे लोगों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने संस्था द्वारा निर्धारित एक कमरे के लिए निर्धारित अढाई लाख रुपये की राशि दान के रूप में दी। इसके अलावा आसन गांव के सुभाष चंद्र अटकान ने अपने माता-पिता के नाम से कमरे की राशि दान देने की घोषणा की। इतना ही नहीं एमबीबीएस का कोर्स कर रही छात्रा ने कहा कि जब मैं नौकरी पर लगूंगी तो एक कमरे के निर्माण के लिए दान राशि प्रथमिकता के आधार पर उपलब्ध करवाउंगी।

सीएम फ्लाइंग टीम की फर्टिलाइजर फैक्ट्री में रेड

सिरसा। सीएम फ्लाइंग टीम ने रविवार को सिरसा जिला के गांव खैरेका में एक बायोफर्टिलाइजर फैक्ट्री में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान फैक्ट्री में एक्सपायरी प्रोडेक्ट मिले और अनियमिताएं मिली। सीएम फ्लाइंग टीम ने मौके से सैंपल भरे हैं, जिनको जांच के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि इससे पहले भी फैक्ट्री से लिया गया एक सैंपल फेल आ चुका है। जानकारी के अनुसार सीएम फ्लाइंग टीम ने सब इंस्पेक्टर राजेश के नेतृत्व में गांव खैरकां के पास खेत में स्थित लिबान फर्टिलाइजर फैक्ट्री में छापेमारी की। इस दौरान फैक्ट्री में कर्मचारी बायोफर्टिलाइजर की पैकिंग करते पाए गए। पैकिंग के लिए इस्तेमाल किए जा रहे बैग हरिद्वार की हेमकुश नामक कंपनी के थे। सीएम फ्लाइंग के सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि खैरेकां गांव के पास एक बायोफर्टिलाइजर फैक्ट्री में नकली खाद तैयार की जा रही है। इस सूचना के आधार पर टीम ने यह कार्रवाई की है। मौके पर खाद की पैकिंग का काम चल रहा था।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 अभियान बना इस वर्ष का सबसे बड़ा एवं प्रभावशाली योग आंदोलन : आरती राव

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में गत दिवस सम्पन्न हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 अभियान में 37.56 लाख से अधिक लोगों ने भागीदारी की जिससे यह कार्यक्रम इस वर्ष का सबसे बड़ा एवं प्रभावशाली योग आंदोलन बन गया है। इस कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता से योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा के संदेश को बल मिला है।

प्रदेश की स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि कल 21 जून को हरियाणा भर में आयोजित योग सत्रों में कुल 7,11,246 व्यक्तियों ने भाग लिया जबकि लगभग 30.45 लाख लोगों ने लगातार चले आ रहे अभियान में शिरकत की। इसके अलावा , हरित योग पहल के हिस्से के रूप में राज्य भर में इस अभियान के दौरान कुल 1,90,065 पौधे भी लगाए गए।

उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र में आयोजित मुख्य राज्य स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 कार्यक्रम में सामुदायिक जुड़ाव और समग्र कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया, फलस्वरूप इसमें 1,01,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया और 1,00,000 पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी भागीदारी लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के मध्य एक प्रतीकात्मक सामंजस्य को दशार्ता है।

कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अभियान कार्यक्रम में पौधारोपण भी एक शानदार सफलता रही है, जिसमें अब तक 2,02,270 पौधे लगाए गए। इसके अतिरिक्त, आधिकारिक आईडीवाई पोर्टल पर 25,57,000 पंजीकरण प्राप्त हुए।

उन्होंने आयुष विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि ने कुरुक्षेत्र में आयोजित किये गए मुख्य कार्यक्रम के लिए 1,58,941 प्रतिभागियों को प्रोत्साहित कर कार्यक्रम तक पहुंचाने और 5,198 पौधे लगा कर वृक्षारोपण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खेल विभाग ने भी सर्वाधिक 1,81,710 प्रतिभागियों की भागीदारी करवा कर योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक कल्याण के संदेश को मजबूत करने का काम किया है।

हमें मिलकर गुरु परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना होगा: रणबीर गंगवा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने आज हिसार के प्रेम नगर स्थित कुम्हार धर्मशाला में पहुंचकर आगामी 13 जुलाई को भिवानी में आयोजित होने जा रहे राज्य स्तरीय गुरु दक्ष जयंती समारोह के लिए समाज के प्रबुद्धजनों को आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि गुरु परंपरा भारतीय संस्कृति की आत्मा है और हमें मिलकर इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। उन्होंने लोगों का आान किया कि वे समय पर उपस्थित होकर इस भव्य आयोजन की शोभा बढ़ाएं और गुरु परंपरा को आगे ले जाने में सहभागी बनें।

मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा संतों व महापुरुषों की जयंती को सरकारी स्तर पर राज्य स्तरीय समारोह के रूप में मनाया जा रहा है, जो समाज में उनकी शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार का सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज की एकता, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को बल मिलता है, जो समावेशी विकास का आधार बनते हैं।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार समाज के हर वर्ग, विशेषकर पिछड़े और वंचित वर्गों के कल्याण हेतु लगातार कार्य कर रही है। पंचायत चुनाव और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव में आरक्षण का प्रावधान किया गया। बड़े-बड़े संस्थानों के नाम महापुरुषों के नाम पर रखे जा रहे हैं, यह उनके लिए एक सम्मान का भाव है।

अब तक 3751.40 किमी यानी 92.85 प्रतिशत नालों की सफाई पूर्ण

मानसून में जलभराव से निपटने के लिए तैयारी लगभग पूरी

संवाददाता
चंडीगढ़

सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने बताया कि विभाग द्वारा मानसून सीजन से पहले बाढ़ नियंत्रण के लिए सक्रिय तैयारियां की जा रही हैं। राज्य में कुल 846 नालों में से 671 नालों की सफाई की योजना बनाई गई थी, जिनकी कुल लंबाई 4040.23 किमी है। अब तक 3751.40 किमी (92.85%) नालों की सफाई टञ्ञ्छफञ्ञ्ञ्श्रअ, विभागीय मशीनरी तथा ई-टेंडरिंग के माध्यम से पूर्ण की जा चुकी है। शेष कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर है और शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 56वीं बैठक में, जो माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी, कुल 209 अल्पकालिक बाढ़ नियंत्रण कार्यों को स्वीकृति दी गई थी। इनमें से 12 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, 175 कार्य प्रगति पर हैं और इन्हें 30 जून तक पूरा करने का लक्ष्य है। 8 कार्य किसानों के विरोध एवं इको-सेंसिटिव जोन में आने के कारण रुके हुए हैं। शेष 14 कार्य जल संरक्षण और सामग्री खरीद से संबंधित हैं, जिनकी खरीद प्रक्रिया प्रगति पर है। इन स्थलों पर अस्थायी व्यवस्था की गई है, जिससे बाढ़ की स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ये कार्य भी शीघ्र पूर्ण कर लिए जाएंगे।

इसके साथ ही टांगरी नदी में 39.22 लाख घन मीटर सिल्ट हटाने का अनुमान है। तीन हिस्सों में विभाजित कार्य में दो हिस्सों के अनुबंध हो चुके हैं और कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, कार्डन, बाब्याल और चांदपुरा गांवों की नगर निगम सीमा में भी सफाई जारी है। अब तक लगभग 5.75 लाख घन मीटर सिल्ट हटाई जा चुकी है, शेष कार्य टारगेट समय यानी 30 जून 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

वहीं मारकंडा नदी में कुल 65.47 लाख घन मीटर सिल्ट हटाने का अनुमान है। दो बार निविदा आमंत्रित की गई, लेकिन कोई बोली नहीं आई। इसके बाद 58,000 घन मीटर की प्राथमिक श्रेणियों के लिए पुनः टेंडर जारी किए गए। झांसा, कलसाना, गुमटी और जलबेरा गांवों में लगभग 60% कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्य निश्चित समय तक पूरा कर लिया जाएगा। हटाई गई मिट्टी का उपयोग अम्बाला एवं कुरुक्षेत्र जिलों में तटबंधों को मजबूत करने व अन्य विकास कार्यों में किया जा रहा है। टांगरी और मारकंडा नदियों में आई टूट-फूट की सभी साइट्स की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण कार्य भी पूरा कर लिया गया है, जिससे भविष्य में बाढ़ की संभावना को काफी हद तक कम किया गया है।

- बाकी बचे बाढ़ नियंत्रण कार्य 30 जून तक पूरा करने का लक्ष्य
- सरकार मानसून से पहले पूर्ण बाढ़ सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध

मंत्री श्रुति चौधरी ने बताया कि सरस्वती नदी, जो आदि बद्री (यमुनानगर) से लेकर घग्गर नदी में मिलन तक बहती है, लगभग 190 किमी लंबी है और यमुनानगर, कुरुक्षेत्र तथा कैथल जिलों से होकर गुजरती है। इसकी 8 सहायक नदियां हैं जिनकी कुल लंबाई लगभग 101 किमी है। सरस्वती नदी और इसकी सहायक नदियों में आंतरिक सफाई कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है जिसमें लगभग 85% कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्य 25 जून 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम मानसून से पहले पूर्ण बाढ़ सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्य की प्रतिदिन विभाग से रिपोर्ट ली जा रही है।

पहले भर्ती निकालो, नौकरी दो, फिर भर्ती कर दो रद्द यही खेल खेल रही है भाजपा सरकार:कुमारी सैलजा

संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि चुनाव के समय युवाओं को नौकरी देने का वायदा करने वाली भाजपा की सरकार युवाओं साथ विश्वासघात कर रही है। पहले भर्ती निकालो, नौकरी दो, फिर भर्ती कर दो रद्द यही खेल तो भाजपा सरकार खेलती आ रही है। अब सरकार कह रही है कि वह ग्रुप-डी में सेलेक्टेड युवाओं को पोस्टिंग देने जा रही है। सरकार ने विभागों से खाली पड़े पदों की जानकारी मांगी है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में ग्रुप-डी में भर्ती हुए युवकों को जल्द पोस्टिंग देने का दावा प्रदेश की भाजपा सरकार कर रही है, विभागों से पूछा है कि उनके यहां ग्रुप डी से जुड़े कितने पद खाली हैं। जिसमें साल 2023 में हुई ग्रुप डी भर्ती वाले युवाओं को नियुक्त किया जाएगा। जिन्हें सरकार ने अभी तक जॉइनिंग नहीं दी थी। इसके अलावा सरकार ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) से भी चयनित उम्मीदवारों की लिस्ट मांगी है। कुमारी सैलजा ने कहा कि सैनी सरकार के पिछले कार्यकाल के अंतिम समय यह घोषणा की थी और ग्रुप सी और डी के 24 हजार पदों पर भर्ती की गई थी। सरकार ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को ग्रुप-डी के 7500 से ज्यादा पदों की रिक्तियां भेजकर चयन सूची की सिफारिश करने के लिए पत्र भेजा है। मगर, अभी तक आयोग ने यह रिजल्ट नहीं निकाला।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि एचकेआरएन के तहत युवाओं को नौकरी पर तो रखा गया है पर अधिकतर की नौकरी पर छंटनी की तलवार लटकी रहती है क्योंकि जिन्हें जॉब सुरक्षा की गारंटी दी गई है उनकी संख्या कम है। प्रदेश में एक लाख से अधिक पद खाली पड़े है ऐसे में सबसे पहले एचकेआरएन के तहत कार्यरत कर्मचारियों को ही नियमित किया जाए और जितने भी पद खाली है उन पर नियुक्तियां की जाए। कुमारी सैलजा ने कहा कि नौकरियां योग्यता के आधार पर ही दी जाए क्योंकि एचएसएससी पहले ही सरकार की पारदर्शिता और बिना पर्ची बिना खर्ची नौकरी के दावों की हवा निकाल चुकी है कि आयोग किस प्रकार नौकरियों का सौदा करता था। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी का ग्राफ कम होने के बजाए बढ़ रहा है, भाजपा सरकार हर बात को बढ़ा चढ़ाकर बताती है।

संपादकीय

व्यापक भागीदारी, प्रभावी निगरानी और स्थिरता उपाय सुनिश्चित करके भारत बाजार को सशक्त बना सकता है

भारत की कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम, जिसका कारोबार वर्ष 2026 में शुरू होने वाला है, देश की जलवायु प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसकी सफलता मौलिक अभिकल्पना में निहित दोषों को दूर करने पर निर्भर करती है। स्वैच्छिक ऑफसेट तंत्र को शामिल करने से डेटा इंटिग्रिटी और योजना की विश्वसनीयता से समझौता होने का जोखिम है, जो स्वच्छ विकास तंत्र जैसे कार्यक्रमों की पिछली विफलताओं को दशार्ता है। भारत को वास्तव में विश्वसनीय कार्बन बाजार विकसित करने के लिये, उसे सभी उच्च-उत्सर्जन क्षेत्रों में अनिवार्य भागीदारी का विस्तार करना चाहिये और आरंभ से ही सुदृढ़ निगरानी और प्रवर्तन तंत्र स्थापित करना चाहिये। आईये समझते हैं भारत में कार्बन बाजार के विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों के बारे में। भारत का कार्बन बाजार का विकास मुख्य रूप से पेरिस समझौते के तहत वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से प्रेरित है। देश का लक्ष्य वर्ष 2005 के स्तर से वर्ष 2030 तक अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की तीव्रता को 45% तक कम करना है, जिसके लिये कार्बन बाजार जैसे मजबूत तंत्र की आवश्यकता है। यह लक्ष्य वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के लक्ष्य के अनुरूप है, जिसके लिये सभी क्षेत्रों में उत्सर्जन में महत्त्वपूर्ण कमी की आवश्यकता होगी। वर्ष 2023 में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम की शुरूआत (जिसके वर्ष 2026 तक आरंभ होने की उम्मीद है) इन महत्त्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जो उत्सर्जन को सीमित करने और हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिये बाजार आधारित तंत्र का निर्माण करेगा। यूरोपीय संघ का कार्बन सीमा समायोजन तंत्र के आसन्न कार्यान्वयन ने भारत को राष्ट्रीय कार्बन बाजार के विकास में तेजी लाने के लिये प्रेरित किया है। यह सी बी ए एम तंत्र कार्बन-गहन आयातों पर टैरिफ लगाएगा, जिससे भारतीय निर्यात कम प्रतिस्पर्द्धी हो जाएंगे (यदि वे अंतर्राष्ट्रीय कार्बन मानकों को पूरा नहीं करते हैं)। भारतीय उद्योग, विशेषकर इस्पात और सीमेंट जैसे उच्च उत्सर्जन वाले क्षेत्रों में, निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों के अंगीकरण के लिये प्रेरित हो रहे हैं। भारत के कुल सी ओ 2 उत्सर्जन में 12% के लिये जिम्मेदार इस्पात क्षेत्र को इन चुनौतियों का प्रत्यक्ष रूप से सामना करना पड़ रहा है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय कार्बन कार्यढाँचे के अनुपालन के लिये कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग की आवश्यकता बढ़ गई है। भारत के कार्बन बाजार के लिये एक महत्त्वपूर्ण चालक स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना और हरित निवेश को प्रोत्साहित करना है। प्रमुख क्षेत्रों के लिये उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य निर्धारित करके, सरकार उद्योगों को ऊर्जा-कुशल और निम्न-कार्बन प्रौद्योगिकियों के अंगीकरण के लिये प्रोत्साहित करती है।रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियाँ हरित हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश कर इस बदलाव का उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं, जिससे भारत संधारणीय औद्योगिक प्रथाओं में अग्रणी बन रहा है तथा वैश्विक हरित निवेश आकर्षित हो रहा है।कार्बन बाजार, कार्बन क्रेडिट अर्जित करने और बेचने की क्षमता प्रदान करके, उत्सर्जन को न्यूनतम करने की दिशा में उद्योगों के लिये वित्तीय प्रोत्साहन उत्पन्न करता है। यह बाजार-आधारित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि व्यवसाय अपने उत्सर्जन में कमी का मुद्रीकरण करके डीकार्बोनाइजेशन की लागतों की भरपाई कर सकते हैं। यह मानते हुए कि वैश्विक औसत मूल्य 4 डॉलर प्रति क्रेडिट है, भारत का कार्बन बाजार 1.2 बिलियन डॉलर का है, जो नवीकरणीय ऊर्जा और संधारणीय परियोजनाओं में वित्तीय विकास के लिये रास्ते खोलता है। भारत का कार्बन बाजार विकास क्षेत्र-विशिष्ट उत्सर्जन, विशेष रूप से सीमेंट, इस्पात और रसायन जैसे ऊर्जा-गहन उद्योगों से होने वाले उत्सर्जन में कटौती करने की आवश्यकता से प्रेरित है। अलग-अलग क्षेत्रों के लिये उत्सर्जन तीव्रता मानदंड तय करने के लिये सरकार का लक्षित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि उत्सर्जन में कटौती प्रत्येक उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों के अनुरूप हो। कार्बन बाजार के लिये प्रयास घरेलू उद्योगों और अंतर्राष्ट्रीय निकायों की ओर से हितधारकों की बढ़ती भागीदारी से भी प्रेरित है। अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम और प्रमुख भारतीय निगम जैसे हितधारक एक पारदर्शी, कुशल कार्बन बाजार की स्थापना के लिये दबाव डाल रहे हैं जो वैश्विक व्यापार में भारत की प्रतिस्पर्द्धात्मकता को बढ़ाएगा। वर्ष 2023 तक, 1,400 से अधिक कार्बन क्रेडिट परियोजनाएँ वेरा जैसे वैश्विक प्रमाणन कार्यक्रमों के तहत पंजीकृत की गईं, जिनमें से एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा भारत का है, जो भारत के उभरते कार्बन बाजार में मजबूत घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय रुचि का संकेत देता है। भारत में कार्बन बाजार के विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दों की बात करें तो प्रमुख उत्सर्जकों का सीमित दायरा और अपवर्जन, कमजोर उत्सर्जन कटौती लक्ष्य, एम एस एम ई पर अपर्याप्त वित्तीय सहायता और अनुपालन बोझ, मापन, रिपोर्टिंग और सत्यापन प्रणालियों की जटिलता, पी ए टी जैसी मौजूदा योजनाओं के साथ विखंडन, स्वैच्छिक भागीदारी और ऑफसेट तंत्र जोखिम, असंगत मूल्य संकेत और बाजार में अस्थिरता, हरित प्रौद्योगिकी अंगीकरण के लिये क्षेत्र-विशिष्ट प्रोत्साहनों का अभाव इन में शामिल हैं। भारत अपने कार्बन बाजार के प्रोत्साहन और इसके सुदृढ़ीकरण के लिये कई तरीके अपना सकता है निम्न-कार्बन प्रौद्योगिकियों में हरित वित्तपोषण और निवेश को बढ़ावा देना, क्षेत्रीय रोडमैप के साथ स्पष्ट दीर्घकालिक कार्बन लक्ष्य स्थापित करना, निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन प्रणालियों को मजबूत करना, कार्बन बाजार शिक्षा और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, बाजार स्थिरता तंत्र लागू करना, कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग के दायरे का विस्तार, सीमा-पार कार्बन व्यापार तंत्र को सुगम बनाना, कार्बन कैप्चर और उपयोग नवाचारों को प्रोत्साहित करना, एक व्यापक कार्बन ऑफसेट कार्यढाँचा विकसित करना आदि हैं। अंत में कह सकते हैं कि भारत की 'कार्बन क्रेडिट व्यापार योजना' देश के जलवायु लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में एक केंद्रीय भूमिका निभाती है और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों, विशेषतः एस डी जी 13 (जलवायु-परिवर्तन कार्रवाई) तथा एस डी जी 9 (उद्योग, नवाचार एवं बुनियादी सुविधाएँ) के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है।इस बाजार को सशक्त बनाने के लिये भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी उच्च-उत्सर्जन क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी हो, एक सुदृढ़ निगरानी एवं सत्यापन प्रणाली स्थापित की जाये तथा बाजार में स्थिरता बनाये रखने के उपाय विकसित किये जायें।

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 129 वर्ष

अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस पर विशेष

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 105 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था।तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था।

ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया।

योगेश कुमार गोयल (हि.स.)

आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे।

एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उत्साहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रेंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ।

प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन् 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे।

1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है। ओलम्पिक खेलों के उद्घाटन के समय स्टेडियम में सबसे पहले ग्रीस की टीम प्रवेश करती है। उसके बाद मेजबान देश की भाषानुसार वर्णमाला के क्रम से एक-एक करके दूसरे देशों की टीमें स्टेडियम में प्रवेश करती हैं जबकि मेजबान देश की टीम सबके बाद स्टेडियम में पहुंचती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कर्नाटक सरकार का फेक न्यूज कानून या विचारों का गला घोंटने की साज़िश

कर्नाटक सरकार द्वारा प्रस्तावित 'सोशल मीडिया विनियामक प्राधिकरण विधेयक 2025' जिसमें सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने पर सात साल की सजा और दस लाख रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है, भारतीय लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत है। यह कानून सतही तौर पर गलत सूचना के विरुद्ध कार्रवाई का प्रयास लगता है लेकिन इसके गहरे राजनीतिक और वैचारिक निहितार्थ हैं। यह कदम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ऐतिहासिक प्रवृत्तियों की पुनरावृत्ति के समान है, जिसमें असहमति और आलोचना को कुचलने की नीति रही है।

आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा सोशल मीडिया उपभोक्ता देश है। 2025 तक भारत में लगभग 85 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से 70 करोड़ लोग सोशल मीडिया का नियमित उपयोग करते हैं। व्हाट्सएप के 53 करोड़, यूट्यूब के 45 करोड़, फेसबुक के 35 करोड़, इंस्टाग्राम के 33 करोड़ और ट्विटर (एक्स) के 2.5 करोड़ से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। सोशल मीडिया अब केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाचार, सूचना, अभिव्यक्ति, रोजगार और जनआंदोलनों का प्रभावी मंच बन चुका है।

इसी डिजिटल शक्ति को नियंत्रित करने की राजनीतिक इच्छा ने इस प्रकार के कठोर विधेयक को जन्म दिया है। इस प्रस्ताव के अनुसार एक छह सदस्यीय प्राधिकरण 'गलत सूचना' की पहचान करेगा और जरूरत समझे तो सामग्री को हटाने, प्रकाशन को रोकने या आर्थिक दंड लगाने का अधिकार रखेगा। इस प्रक्रिया में सरकार समर्थित निकाय को यह निर्णय लेने की खुली छूट मिल जाती है कि कौन-सी जानकारी सत्य है और कौन-सी असत्य- जो लोकतांत्रिक विचार प्रक्रिया के विपरीत है।

इतिहास गवाह है कि कांग्रेस पार्टी जब-जब सत्ता में रही है, उसने असहमति की आवाजों को कुचलने के प्रयास किए हैं। वर्ष 1975 में लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निलंबित कर, प्रेस पर सेंसरशिप लागू की और हजारों विपक्षी नेताओं को बिना सुनवाई जेलों में डाल दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन, अखबारों की प्रतियों को प्रिंट से पहले अनुमोदन के लिए भेजना अनिवार्य कर दिया गया था।

यही नहीं, कांग्रेस की यूपीए सरकार के दौरान भी इंटरनेट सेंसरशिप की कोशिशें की गईं। आईटी एक्ट की धारा 66अ का दुरुपयोग कर सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर छात्रों और आम नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 2015 में 'श्रेया सिंगल बनाम भारत सरकार' के ऐतिहासिक निर्णय में इस धारा को असंवैधानिक घोषित किया। फिर भी कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें नए रूपों में सेंसरशिप को पुनः लागू करने का प्रयास करती रही हैं।

वर्तमान प्रस्तावित कानून में जो सबसे खतरनाक बात है वह यह कि किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट को इस आधार पर 'फेक न्यूज' करार दिया जा सकता है कि वह किसी समुदाय, जाति, धर्म, महिला या राज्य की छवि को नुकसान पहुँचा रहा है। यह परिभाषा इतनी व्यापक और अस्पष्ट है कि इसका उपयोग किसी भी

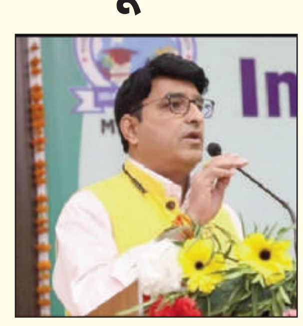
डॉ. विश्वास चौहान (हि.स.)

आलोचक, पत्रकार, राजनीतिक विरोधी या आम नागरिक के विरुद्ध किया जा सकता है।

कर्नाटक सरकार पर कुछ आरोप लगे हैं जैसे साम्प्रदायिक तत्वों को सरकारी ठेकों में 4% आरक्षण दिया है , वक्फ बोर्ड की शक्तियों और बजट में वृद्धि की है, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरुद्ध हिजाब को समर्थन दिया है ,सरकारी पैसे से मदरसों में साम्प्रदायिक शिक्षा को सुचारू किया है, शांति सम्मेलनों के नाम पर केवल मुस्लिम वर्ग को वरीयता दी है।

विगत दिनों कई जिलों में हनुमान जयंती और रामनवमी के जुलूस पर प्रतिबंध या धारा 144 तथा पुलिस द्वारा कड़ी शर्तें लगाई गईं, जिसे पक्षपातपूर्ण बताया गया।श्रीराम सेना, बजरंग दल आदि संगठनों के खिलाफ एफआईआर और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई बढ़ी है। बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में भी की गई थी। हिंदू मंदिरों की आय का सरकारी नियंत्रण करते हुए मंदिरों की आय का प्रयोग अन्य सेकुलर उद्देश्यों हेतु करना, जबकि अन्य धर्मस्थलों की आय उनके समुदाय के पास ही रहती है। मंदिर प्रबंधन बोर्डों में गैर-सनातन व्यक्तियों की भागीदारी करना। कक्षा 10 की पाठ्यपुस्तकों से वीर सावरकर, हिंदू महापुरुषों से जुड़ी जानकारी कम करना या हटाना, जबकि मुस्लिम शासकों पर अध्याय जोड़ना गोतस्करी और गोहत्या पर सख्ती के बजाय ऐसे मामलों में सरकार द्वारा समर्थन करना। उक्त कार्यों से यह युक्तियुक्त आशंका हो गयी है कि इस कानून का दुरुपयोग हिन्दू समाज के विरुद्ध ही बड़े पैमाने पर किया जा सकता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और विधि मंत्रालय के आँकड़े बताते हैं कि आईटी एक्ट के अंतर्गत दर्ज मामलों में दोषसिद्धि दर अत्यंत कम - मात्र 3 से 5 प्रतिशत के बीच है। उदाहरणस्वरूप, वर्ष 2022 में फेक न्यूज, साइबर मानहानि, अफवाह फैलाने आदि के तहत लगभग 8500 मामले दर्ज किए गए, लेकिन केवल 410 मामलों में ही दोष सिद्ध हो सका। ऐसे में इतने कम दोषसिद्धि दर वाले अपराधों के लिए कठोर दंड और उच्च आर्थिक जुमार्ना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

प्रस्तावित कानून में विशेष न्यायालयों की स्थापना और प्राधिकरण को अर्ध-न्यायिक अधिकार देने की बात कही गई है। ये व्यवस्थाएँ निष्पक्ष न्याय की अवधारणा को कमजोर करती हैं। जब जांच, प्रमाण और निर्णय- तीनों प्रक्रिया एक ही प्राधिकरण के अधीन हो जाए, तो वह तंत्र सत्ता का औजार बन सकता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस कानून का सबसे अधिक असर उन्हीं वर्गों पर पड़ेगा जो पहले से हाशिये पर हैं- स्वतंत्र पत्रकार, प्रगतिशील विचारक, विपक्षी कार्यकर्ता और सामान्य नागरिक जो सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर सवाल उठाते हैं। ऐसी स्थिति में यह कानून अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नहीं, अभिव्यक्ति पर नियंत्रण का औजार बन जाता है। भारत का संविधान अपने अनुच्छेद 19(1)(a) में प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मूल अधिकार देता है। हालांकि इस अधिकार पर कुछ 'युक्तियुक्त प्रतिबंध' संभव हैं, किंतु वे केवल संकुचित, स्पष्ट और न्यूनतम होने चाहिए। कर्नाटक सरकार का यह प्रस्ताव इन सभी शर्तो का उल्लंघन करता है।

निष्कर्षतः, कांग्रेस सरकार द्वारा प्रस्तुत यह कानून सूचना की रक्षा का नहीं, सूचना के नियंत्रण का उपाय है। यह एक ऐसी राजनीतिक मानसिकता का परिचायक है जो आलोचना से डरती है, असहमति को अपराध मानती है और संवाद को अपराधीकरण की ओर ले जाती है। यह न केवल लोकतंत्र की आत्मा के विरुद्ध है, बल्कि भारत की न्यायिक परंपरा, संवैधानिक मूल्यों और आधुनिक सूचना समाज की आवश्यकता के भी प्रतिकूल है। गलत सूचना का उत्तर सच्ची सूचना है, दंड नहीं। समाज को मीडिया साक्षरता और डिजिटल नैतिकता के माध्यम से सशक्त किया जाना चाहिए, न कि भय और सेंसरशिप के माध्यम से नियंत्रित। यदि यह कानून पारित होता है, तो यह एक नए डिजिटल आपातकाल की शुरूआत मानी जाएगी - जो लोकतंत्र के लिए अत्यंत घातक होगा।

(लेखक, कानून के प्रोफेसर हैं।)

उमर अब्दुल्ला की पाकिस्तान परस्ती!

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार की उस योजना को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें सिंधु प्रणाली की पश्चिमी नदियों के अतिरिक्त जल को जम्मू-कश्मीर से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान भेजने के लिए नहर बनाने की बात की गई थी। वर्तमान संदर्भो में उमर का कहना है कि यह पानी अभी सिर्फ जम्मू-कश्मीर के लिए है, क्योंकि जब हमें जरूरत थी तब किसी ने हमारी मदद नहीं की थी। पठानकोट स्थित शाहपुर कंडी बैराज के लंबे विवाद का हवाला देते हुए उमर ने पंजाब को याद दिलाया कि 45 वर्षो तक इस मुद्दे पर जम्मू-कश्मीर को नुकसान उठाना पड़ा। 'कई सालों तक उन्होंने हमें रुलाया, अब जब हमारे पास थोड़ा अतिरिक्त पानी है, तो हम क्यों दें?' इस वक्तव्य के साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि 113 किमी लंबी प्रस्तावित नहर को फिलहाल उनकी सरकार मंजूरी नहीं देगी।

कहना होगा कि इस एक निर्णय से साफ दिखाई दे रहा है कि अप्रत्यक्ष रूप से जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को भारत के लोगों की नहीं, जम्मू कश्मीर का बहाना लेकर पाकिस्तान की फिक्र ज्यादा है। वस्तुतः यहां पाकिस्तान को लेकर उनकी चिंताएं इतनी अधिक समझ आ रही हैं कि वे जम्मू कश्मीर की नदियों में बहते पानी का उपयोग देश के अन्य राज्यों में होने नहीं देना चाहते, जबकि केंद्र की मोदी सरकार यह साफ कर चुकी है कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि के प्रभावी निलंबन के बाद वह इस अतिरिक्त जल का उपयोग उत्तर भारत के राज्यों में करना चाहती है। दूसरी ओर उमर अब्दुल्ला की नीयत जो स्पष्ट कर रही है, वह यही है कि जब अन्य राज्यों को पानी देने के लिए प्रस्तावित नहर बनेगी ही नहीं, तब आखिर भारत जल के तेज बहाव को अपने यहां कब तक रोककर रख पाएगा, ऐसी परिस्थितियों में आखिरकार उसे पानी को बहाना ही होगा और ऐसे में उसके पास सिर्फ एक ही विकल्प रहेगा कि उस जल को वह पाकिस्तान की तरफ बहा दे। स्वभाविक है कि जिस उद्देश्य से भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और सिंधु जल संधि को रोका वह विफल हो जाएगा। पाकिस्तान में भारत के विरोध में एक ओर आतंकवादी पनपते रहेंगे तो दूसरी ओर उन्हें जैसे पहले पानी मिलता था वैसे भी आगे भारत की ओर से पानी मिलता रहेगा।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स.)

अब यहां केंद्र सरकार की इस संदर्भ में बनाई गई योजना को समझने की बात है। सिंधु नदी के पानी का पूरा इस्तेमाल करने के लिए भारत ने अपनी अंतर-बेसिन जल हस्तांतरण योजना की दिशा में बड़ा काम करना शुरू कर दिया है। 113 किलोमीटर लंबी नहर बनाने की तैयारी चल रही है। जिसमें कि जम्मू-कश्मीर की नदियों को आपस में जोड़ने का काम होगा और इस राज्य के साथ ही पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में पानी ले जाने के लिए यह नहर चिनाब नदी को रावी-ब्यास-सतलुज नदी प्रणाली से जोड़ेगी। इससे पूर्वी (रावी, ब्यास, सतलुज) और पश्चिमी (सिंधु, झेलम, चिनाब) नदियों के पानी का सही उपयोग हो सकेगा और पाकिस्तान में बहने वाले अतिरिक्त पानी को रोका जा सकेगा।

जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं सिंधु जल समझौते को लेकर अपने वक्तव्य पिछले दिनों देते दिखे, उसमें उन्होंने साफ कहा है कि आखिर भारत के पानी का उपयोग भारत ही नहीं कर पा रहा, यह अब आगे नहीं चलने वाला। पाकिस्तान के साथ खून और पानी एक साथ नहीं बहाया जा सकता है। स्वभाविक है कि प्रधानमंत्री ने जो मंशा व्यक्त की उसी अनुरूप केंद्र के अधिकारियों ने योजना बनाना शुरू किया और अब उस पर कार्य किया जाना है। प्रधानमंत्री मोदी की तरह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस बड़ी योजना पर बोला है और बताया भी कि सिंधु का पानी तीन साल के भीतर नहरों के माध्यम से राजस्थान के श्रीगंगानगर तक पहुंचाया जाएगा। प्रस्तावित नहर नेटवर्क जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में 13 मौजूदा नहरों से जुड़ेगा और आखिरकार यह इंदिरा गांधी नहर प्रणाली में मिल जाएगा। देखा जाए तो कितनी अच्छी और सफल योजना है यह। इस नहर योजना को लेकर आज कई पर्यावरणविज्ञ एवं जल विशेषज्ञ भी अपनी राय रख रहे हैं और सभी ने यह समान रूप से स्वीकार्य किया है कि कश्मीर से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में अतिरिक्त पानी भेजने से इलाके में जल की उपलब्धता को संतुलित करने में मदद मिलेगी।

इसके साथ ही आंतरिक स्तर पर पानी के वितरण में इस बदलाव से जलवायु परिवर्तन और बदलते वर्षा पैटर्न का सामना करना भारत के लिए ज्यादा आसान हो जाएगा। जिस क्षेत्र में अभी सूखा है वहां तो इस प्रोजेक्ट से हरियाली आएगी ही, साथ में रोजगार के कई नए अवसर इस पूरे क्षेत्र में जहां से ये नहर गुजरेगी, वहां पैदा हो जाएंगे। भारत के इस पूरे क्षेत्र में पर्यटन उद्योग भी बढ़ेगा। यानी मोदी सरकार के एक कदम उठाने से एक साथ अनेक प्रकार के लाभ होना स्वभाविक है। इसके चलते इस पूरे परिक्षेत्र में अनेक नई योजनाएं जहां आएंगी, वहीं रुकी हुई योजनाओं पर फिर से काम संभव हो सकेगा। फिलहाल गौर करने वाली बात है कि भारत अपनी सिंधु प्रणाली के पानी का बेहतर उपयोग करने के लिए कई पनबिजली परियोजनाओं, जैसे- पाकल दुल (1,000 मेगावाट), रतले (850 मेगावाट), किरू (624 मेगावाट), और क्वार (540 मेगावाट) पर भी तेजी से काम कर रहा है। कठुआ जिले में वर्षो से लंबित उझ बहुउद्देशीय परियोजना को भी पुनर्जीवित किया जा रहा है। उझ के नीचे दूसरा रावी-ब्यास लिंक, जिसकी योजना पहले रावी के अतिरिक्त पानी को पाकिस्तान में जाने से रोकने के लिए बनाई गई थी, अब बड़ी नहर पहल का हिस्सा होगा। इसमें व्यास बेसिन में पानी स्थानांतरित करने के लिए एक बैराज और सुरंग शामिल होगी। उझ रावी की एक सहायक नदी है।प्रस्तावित नहर को यमुना से जोड़ने का भी प्लान है। इससे नहर की लंबाई 200 किलोमीटर तक बढ़ सकती है। इसके बाद, यमुना के जरिए जल को गंगासागर तक पहुंचाया जा सकता है।

सभी को यह याद रखना चाहिए कि जब 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इसके बाद ही भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए कहा कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को विश्वसनीय रूप से समाप्त नहीं करता, तब तक सिंधु जल संधि को निलंबित रखा जाएगा। अब जब इस सिंधू जल के जरिए भारत सरकार इसके उपयोग की विस्तारित योजना बना रही है तो इसमें आज सबसे बड़ा रोड़ा कोई यदि बनता दिख रहा है तो वह जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला स्वयं हैं। जबकि ये तो वे स्वयं ही जानते हैं कि इस योजना का लक्ष्य जल का बेहतर इस्तेमाल करना है। यह देश के हित में है। कम से कम उमर अब्दुल्ला को भारत हित में आज रोड़ा नहीं बनना चाहिए और यदि वे ऐसा करते हैं, तो फिर यही माना जाएगा कि उनका आधुनिक परिवर्तन सिर्फ एक दिखावा है, उनका दिल अभी भी पाकिस्तान के लिए ही धड़क रहा है!

आज का राशिफल

मेषः पुराने संपर्कों से आज लाभ मिल सकता है। मन में थोड़ी असंतुष्टि बनी रह सकती है, इसलिए निर्णय सोच-समझकर लें। किसी भी कार्य में मित्रों की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। वैवाहिक आयोजन की योजना बन सकती है। आँखों की देखभाल करें।

वृषभः करियर को लेकर नया मोड़ आ सकता है, विशेषकर सरकारी क्षेत्र में कार्यरत लोगों के लिए दिन शुभ रहेगा। आपके व्यक्तित्व में आकर्षण रहेगा। आत्मनिरीक्षण के लिए यह दिन उत्तम है। प्रेम संबंधों में नजदीकियाँ बढ़ सकती हैं।

मिथुनः जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर तनाव हो सकता है। अपनी राय थोपने से बचें। अनावश्यक तनाव से दूर रहें। गले की तकलीफ हो सकती है, सावधानी रखें। बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देना जरूरी होगा।

कर्कः यदि आप नया काम शुरू कर रहे हैं तो सभी दस्तावेजों की ठीक से जांच कर लें। दिनचर्या अनुशासित रहेगी। निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य में सुधार होगा और विरोधियों के बीच आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंहः आपकी काबिलियत की सराहना कम मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता रहेगी। वरिष्ठों की राय को अनदेखा न करें। दांपत्य जीवन में कहासुनी हो सकती है। मांसपेशियों में खिंचाव से परेशानी हो सकती है। कोई कीमती उपहार मिल सकता है।

कन्याः आपकी कार्यशैली पर सवाल उठ सकते हैं। आज के दिन आपको व्यापार में कुछ नुकसान संभव है। पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। विदेश यात्रा के योग बन सकते हैं। भाई-बहनों के साथ समय बिताना सुखद रहेगा।

तुलाः आज नये कार्य की शुरूआत टालना बेहतर रहेगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी लेकिन कार्य में आशानुकूल सफलता नहीं मिलेगी। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। कार्यक्षेत्र में महिला सहकर्मियों से जुड़ी उलझनें आ सकती हैं।

वृश्चिकः करीबी संबंधों में थोड़ी असहजता महसूस हो सकती है। कार्य में शानदार प्रदर्शन रहेगा। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। घर में अतिथि आ सकते हैं। अधिकारी वर्ग से प्रशंसा मिलेगी और व्यावसायिक समस्याओं का समाधान होगा।

धनुः काम को लेकर सतर्क रहें, लापरवाही परेशानी बढ़ा सकती है। शरीर में थकान और बुखार की संभावना है। डिजिटल मनोरंजन में रुचि रहेगी। साथियों की मदद से आर्थिक लाभ हो सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो दिन अनुकूल है।

मकरः प्रेम विवाह की राह में आ रही रुकावटें दूर होंगी। पारिवारिक सुख बढ़ेगा। ऊर्जा और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आज के दिन पूर्व अनुभवों का उपयोग लाभकारी रहेगा। उच्च शिक्षा में लगे छात्रों का प्रदर्शन शानदार रहेगा।

कुंभः परिवार में खुशी और मेलजोल का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। कार्य में धीमापन संभव है। अपनी योजनाओं को फिलहाल गोपनीय रखें। विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, सावधानी बरतें। निजी मामलों में हस्तक्षेप से बचें।

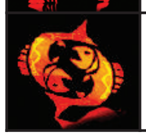
मीनः आज बाहर घूमने का अवसर मिल सकता है। सभी प्रयास सफल रहेंगे। कोई साहसी निर्णय लेना पड़ सकता है। बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बितेगा। पुराने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे हल हो सकते हैं। कला और मनोरंजन से जुड़े लोगों को सम्मान मिलेगा।

पाकिस्तान आईएसआई को फौज से सम्बन्धित संवेदनशील डाटा लीक करने के लिए एक फौजी जवान और उसका साथी गिरफ्तार

आई. एस. आई. हैंडलर राणा जावेद के सीधे संपर्क में था जम्मू में तैनात फौजी गुरप्रीत सिंह; पैन ड्राइव के द्वारा भेजता था खुफिया जानकारी: डीजीपी

संवाददाता
चंडीगढ़/ अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान बड़ी जासूसी- विरोधी कार्यवाही करते हुये अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने भारतीय फौज के एक जवान और उसके सहयोगी को फौज से सम्बन्धित संवेदनशील डाटा पाकिस्तान की इंटर- सर्विसिज इंटेलिजेंस (आई. एस. आई.) को लीक करने शक में गिरफ़्तार किया है। यह जानकारी डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने रविवार को यहाँ दी।

गिरफ़्तार किये गए मुलजिमों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी निवासी धारीवाल, अमृतसर, जो मौजूदा समय भारतीय फौज के जवान के तौर पर जम्मू में तैनात है और उसके साथी साहिल मसीह उर्फ शाली, जो कि अमृतसर के धारीवाल का रहने वाला है, के तौर पर हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि गुरप्रीत सिंह पाकिस्तानी आई. एस. आई. के गुर्गों के साथ सीधे संपर्क में था और यह शक है कि वह पैन ड्राइव के द्वारा संवेदनशील और खुफिया जानकारी सांझी करता था। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में शामिल मुख्य आई. एस. आई. हैंडलर की पहचान राणा जावेद के तौर पर हुई है।

डीजीपी ने कहा कि गिरफ़्तार किये गए दोनों मुलजिमों के कब्जे में से वर्चुअल नंबरों वाले दो मोबाइल फोन बरामद किये गए हैं, जिनका प्रयोग कथित तौर पर आईएसआई के गुर्गों के साथ बातचीत करने के लिए किया जाता था। उन्होंने कहा कि जासूसी-दहशतगर्दी के व्यापक नैटवर्क को जड़ से तबाह करने और इस मामले में सभी सहयोगियों की पहचान करने के लिए और जांच की जा रही है।

अन्य विवरण सांझा करते हुये सीनियर सुपरडैंट आफ पुलिस (एस. एस. पी.) अमृतसर ग्रामीण मनिन्दर सिंह ने कहा कि मुलजिम गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी 2016 में फौज में भर्ती हुआ था और यह अंदेशा है कि उसने अपने पद का दुरुपयोग करते हुये पैन ड्राइव और डिस्क द्वारा फौज की खुफिया जानकारी जुटायी और पाकिस्तान आईएसआई को लीक की।

उन्होंने कहा कि जासूसी नैटवर्क को कथित तौर पर धारीवाल के एक दुबई-आधारित नशा तस्कर, अर्जुन ने पाँच महीने पहले गुरप्रीत को आईएसआई के गुर्गों के साथ रूबरू करवाया था। उन्होंने बताया कि कि उस समय से, गुरप्रीत पहले से निर्धारित ड्राप स्थानों का प्रयोग करके आईएसआई को फौज का संवेदनशील डाटा सक्रियता से भेजने में लगा हुआ था।

एसएसपी ने कहा कि इस जासूसी गतिविधि को अंजाम देने के बदले दोषी गुरप्रीत को बड़े जटिल नैटवर्क के द्वारा मेहनताना मिल रहा था, जिसमें दोस्तों, रिश्तेदारों और विदेशी सहयोगियों के बैंक खातों का इस्तेमाल किया जाता था जिससे इस गतिविधि का किसी को न पता लगे। खुफिया सूचना पर कार्यवाही करते हुये पुलिस टीमों ने गुरप्रीत और उसके साथी साहिल मसीह को तब गिरफ़्तार कर लिया जब वह अन्य संवेदनशील डाटा लीक करने की ताक में थे।

उन्होंने कहा कि व्यापक गठजोड़ का पदार्फाश करने और अन्य साजिशकताओं की पहचान करने के लिए आगे जांच जारी है। इस सम्बन्धी अमृतसर ग्रामीण के पुलिस स्टेशन लोपोके में 21. 06. 2025 को आफिशियल सिक्रेट एक्ट की धारा 3, 5 और 9 और बीऐनऐस की धारा 3 (5) के अंतर्गत एफआईआर नंबर 140 के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है।

लोगों को गुमराह करने के लिए विरोधी दल कर रहे हैं मनगढ़ंत बयानबाजी: ई. टी. ओ.

संवाददाता
चंडीगढ़

- राज्य को विकसित करने में अहम भूमिका निभाएगा विकास अथॉरिटियों सम्बन्धी भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार का फैसला: हरभजन सिंह ई.टी.ओ.

पंजाब राज्य को विकसित करने में विकास अथॉरिटियों सम्बन्धी भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार का फैसला अहम भूमिका निभाएगा। उक्त प्रगटावा एक प्रैस बयान के द्वारा कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई. टी. ओ. ने आज यहाँ किया।

उन्होंने कहा कि पंजाब राज्य के सभी स्थानीय विकास बोर्डों के चेयरमैन के तौर पर मुख्य सचिव को नियुक्त करने के फैसला से राज्य के विकास सम्बन्धी मामलों को मंजूरी मिलने की कार्यवाही में तेजी आयेगी और आम लोगों को लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निदेशों पर राज्य के अधिकारियों ने गुजरात सरकार की तरफ से अहमदाबाद शहरी विकास अथॉरिटी, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नोएडा, मेरठ, कानपुर और लखनऊ जैसी शहरी योजनाबंदी संस्थाओं की कार्यप्रणाली सम्बन्धी की गई तबदीली और उनके प्रभावों का अध्ययन किया गया और इस माडल के प्रभावों को अच्छी तरह अध्ययन करने के उपरांत इसके निष्कर्षों के बारे में सरकार को अवगत करवाया गया जिसके बाद पंजाब क्षेत्रीय और शहरी योजनाबंदी और विकास (पी. आर. टी. पी. डी.) एक्ट की धारा 29(3) में संशोधन सम्बन्धी फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से ग्रेटर मोहाली एरिया डिवैल्पमैंट अथॉरिटी (गमाडा), ग्रेटर लुधियाना डिवैल्पमैंट अथॉरिटी (गलाडा) और पंजाब शहरी विकास अथॉरिटी (पुड्डा) जैसी प्रमुख विकास संस्थाओं से सम्बन्धित मामलों को अधिकारी जल्द सम्पूर्ण करेंगे जिससे सिर्फ.राज्य के लोगों को ही फायदा होगा। उन्होंने कहा कि यह तबदीली विकास अथॉरिटियों की कार्यवाही को सुचारू बनाने और समय पर फैसले लेने को यकीनी बनाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि शक्तियों के विकेंद्रीकरण की दिशा में एक बड़ा फैसला है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इसके इलावा विकास अथॉरिटियों की फैसला लेने की प्रक्रिया में राजस्व, उद्योग, जल सप्लाई और सेनिटेशन और अन्य विभागों को शामिल करने का फैसला भी अंतर-विभागीय तालमेल को बढ़ाने में मददगार साबित होगा।

उन्होंने कहा कि विरोधी दल राज्य के लोगों को गुमराह करने के लिए इस मामले सम्बधी मनगढ़ंत बयानबाजी कर रहे हैं।

शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती के लिए योग के फायदों के बारे में किया जागरूक

संवाददाता
जालंधर

ए.डी.जी.पी. राज्य सशस्त्र पुलिस, जालंधर एम.एफ.फारूकी के निदेर्शानुसार कमांडेंट ट्रेनिंग मनदीप सिंह गिल के मार्गदर्शन में आज पी.ए.पी. कैंपस में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

इस प्रोग्राम में राज्य सशस्त्र पुलिस के विभिन्न रैंकों के लगभग 650 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कमांडेंट ने योगाभ्यास में भाग लेने वाले अधिकारियों और जवानों को योग के फायदों के बारे में जागरूक किया और शरीर को फिट रखने के टिप्स सांझा किए। उन्होंने कहा कि आज के व्यस्त युग में शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती के लिए योग बहुत फायदेमंद है। उन्होंने नशे से बचने की जोरदार अपील की और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया।

इस दौरान योग प्रशिक्षकों द्वारा कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों और कर्मियों को विभिन्न योग आसन करवाए गए।इस अवसर पर डी.एस.पी सिखलाई सुखजिंदर सिंह, इंस्पेक्टर रछपाल सिंह सी.डी.आई., इंस्पेक्टर चैचंल सिंह सी.एन.आई, इंस्पेक्टर जतिंदर सिंह, इंस्पेक्टर चैचंल सिंह व आर.टी.सी. स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित था।

पंजाब सरकार का बच्चों की सुरक्षा के लिए सख्त निर्देश; सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री और अभद्रता के खिलाफ होगी तत्काल कार्रवाई

संवाददाता
चंडीगढ़

- सोशल मीडिया पर अभद्रता बर्दाश्त नहीं: डॉ. बलजीत कौर
- बच्चों के मन पर बुरा असर डालने वाली गतिविधियों पर रखी जाएगी नजर

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर अभद्र और अश्लील सामग्री के बढ़ते चलन पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, जो बच्चों के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए सीधा खतरा बन रहा है।

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने पंजाब राज्य बाल अधिकार आयोग द्वारा सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए ए.डी.जी.पी. (साइबर क्राइम) को जारी किए गए आदेशों का स्वागत करते हुए कहा कि पंजाब सरकार बच्चों की रक्षा और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डॉ. बलजीत कौर ने विभाग के सभी जिला सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने स्तर पर सोशल मीडिया पर चल रही ऐसी अश्लील सामग्री पर नजर रखें। यदि किसी भी प्रकार की शिकायत या जानकारी मिलती है, तो तत्काल पुलिस और बाल अधिकार आयोग को सूचित कर स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियानों के माध्यम से माता-पिता, शिक्षकों और युवाओं को सचेत किया जाए।बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण और उनके सर्वांगीण विकास के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि जो भी तत्व बच्चों की मानसिकता पर बुरा असर डालते हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी और उन्हें कानूनी तौर पर उदाहरण बनाया जाएगा, ताकि और किसी की हिम्मत न हो कि वह सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री पोस्ट करे।

डॉ. बलजीत कौर ने पुलिस विभाग को निर्देश दिया कि सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री की सख्त निगरानी की जाए और जो व्यक्ति ऐसी सामग्री तैयार या अपलोड करते हैं, उनके खिलाफ बी.एन.एस. 2023, आई.टी. एक्ट 2000 और पी.ओ.सी.एस.ओ. एक्ट 2012 के तहत तत्काल कार्रवाई की जाए। मंत्री ने माता-पिता, शिक्षकों, सामाजिक संस्थाओं और आम लोगों से अपील की कि यदि उनके पास ऐसी सामग्री या व्यक्तियों के बारे में कोई जानकारी हो, तो बिना देरी पुलिस या बाल अधिकार आयोग को सूचित किया जाए।

उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और सकारात्मक डिजिटल माहौल बनाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

संक्षिप्त-समाचार

चंडीगढ़ में इंडिगो की फ्लाइट टेक ऑफ से पहले तकनीकी खराबी के चलते रद्द की गई

चंडीगढ़। चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को एक बड़ा हादसा होने से बच गया। यहां इंडिगो के विमान में खराबी होने के कारण अंतिम समय में चंडीगढ़ से लखनऊ जाने वाली फ्लाइट को रद्द कर दिया। तकनीकी खराबी के बारे में उस समय पता चला जब यात्री विमान में सवार हो चुके थे और विमान उड़ान भरने के लिए तैयार था। शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इंडिगो की फ्लाइट 6ई 146 को टेक ऑफ से पहले रद्द कर दिया गया। हवाई अड्डा अधिकारियों के अनुसार यह फ्लाइट चंडीगढ़ से लखनऊ के लिए रवाना होने वाली थी। टेक ऑफ से पहले तकनीकी खराबी के चलते फ्लाइट को रोक दिया गया और इसे रद्द कर दिया गया। उड़ान से पहले पायलट ने फ्लाइट में किसी समस्या की पहचान की। एहतियातन सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया। विमान ने उड़ान नहीं भरी और उसे रनवे पर चढ' ` से पहले ही रोक दिया गया। इसके बाद यात्रियों को वैकल्पिक उड़ानों से भेजा गया और उन्हें विमान कंपनी की तरफ से टिकट का पूरी राशि भी लौटाई गई।

मेथनॉल के दुरुपयोग से घातक, अवैध शराब मौत का कारण : डीसी

बरनाला। मेथनॉल का दुरुपयोग घातक है और इससे बनने वाली अवैध शराब का सेवन जानलेवा हो सकता है। डिप्टी कमिश्नर टी बेनिथ ने कहा कि संबंधित विभागों को आम लोगों को इस बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जिले में मेथनॉल का अवैध उपयोग न हो और इस जहर से बनी शराब का भी कोई सेवन न करे। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार भलाई विभाग के प्रमुख सचिव कुमार राहुल द्वारा जारी पत्र का हवाला देते हुए कहा कि पॉइजनस एक्ट 1919, पंजाब पॉइजनस पोजेशन एंड सेल रूल्स 2014 एंड अमेंडमेंट नोटिफिकेशन 17 फरवरी 2025 के तहत बिना लाइसेंस के मेथनॉल की बिक्री या स्टॉक जमा नहीं हो सकता। इसलिए, इस जहरीले पदार्थ का उपयोग असामाजिक तत्व अवैध और नाजायज शराब बनाने के लिए कर सकते हैं और ऐसी शराब को मुनाफा कमाने के लिए आगे बेच सकते हैं। शराब का सेवन करने वाले लोगों को चौकस रहना चाहिए और किसी भी हाल में अवैध शराब का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करना जानलेवा हो सकता है। 'लोगों का मेथनॉल जहर के खतरों के बारे में जागरूक होना जरूरी है क्योंकि इससे अवैध शराब बनने के मामले सामने आए हैं। लेकिन ऐसी शराब का सेवन करना एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। क्योंकि अवैध रूप से बनाई गई शराब में मेथनॉल की मौजूदगी से गंभीर स्वास्थ्य परिणाम हो सकते हैं, जिसमें अंधापन और मौत भी हो सकती है।' 'मेथनॉल का उपयोग कानून के अनुसार ही किया जाए। यदि कोई व्यक्ति मेथनॉल वाली अवैध शराब का उपयोग करता है तो उसकी सेहत के लिए घातक हो सकती है और मौत भी हो सकती है। इसलिए यदि मिलावटी शराब पीने से कोई समस्या आती है तो तुरंत डॉक्टरी सलाह के अनुसार इलाज कराना चाहिए।'

आप के नवनियुक्त पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित

अमृतसर। आम आदमी पार्टी ने अपने जिले के संगठनात्मक ढांचे में बदलाव करते हुए आम आदमी पार्टी के पुराने नेता जसकरण सिंह बंदेशा को लोकसभा प्रभारी तथा युवा नेता पनसप के चेयरमैन प्रभबीर सिंह बराड़ को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। इन नियुक्तियों के बाद आम आदमी पार्टी जिला कार्यालय पर कार्यकताओं द्वारा अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें दक्षिण हलके से विधायक डॉ. इंद्रबीर सिंह निज्जर, मध्य हलके से विधायक डॉ. अजय गुप्ता, मेयर जतिंदर सिंह मोती भाटिया, इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन करमजीत सिंह रिंटू, डिप्टी मेयर प्रियंका शर्मा समेत समूची जिला लीडरशिप व बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया।
इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी जसकरन सिंह बंदेशा व जिला अध्यक्ष प्रभबीर सिंह बराड़ ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भगवंत सिंह मान जी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार तीन साल से पंजाब को फिर से रंग-बिरंगा पंजाब बनाने के लिए काम कर रही है।

नशा छुड़ाने सम्बन्धी यत्नों के हिस्से के तौर पर पंजाब पुलिस ने 54 व्यक्तियों को नशा छोड़ने का इलाज लेने के लिए राजी किया

संवाददाता
चंडीगढ़

- युद्ध नशों विरुद्ध के 113वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 151 नशा तस्कर गिरफ़्तार; 533 ग्राम हेरोइन, 2.8 किलो अफीम और 5.3 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद

राज्य में से नशों के मुकम्मल खात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों पर शुरू किये गए युद्ध नशों विरुद्ध के 110वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 151 नशा तस्करों को गिरफ़्तार करके उनके कब्जे में से 533 ग्राम हेरोइन, 2.8 किलो अफीम और 5.32 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। इससे सिर्फ. 113 दिनों के अंदर गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या 18,719 हो गई है।

यह आपरेशन डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव के निदेशों पर राज्य के सभी 28 जिलों में एक ही समय चलाया गया।

जिक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमीशनरों, डिप्टी कमीशनरों और एस. एस. पीज को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के हुक्म दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी भी बनाई गई है।

आपरेशन के विवरण देते हुये स्पैशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 99 गजटिड अधिकारियों की निगरानी में 1500 से अधिक पुलिस कर्मचारियों के सम्मिलन वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 523 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके चलते राज्य भर में 98 ऐफआईआरज दर्ज की गई। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 502 शक्की व्यक्तियों की जांच भी की।

स्पैशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य में से नशों के खात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति - इनफोरसमैंट, डी-एडिकशन और प्रीवैंशन (ईडीपी) - लागू की गई है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के हिस्से के तौर पर 54 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का इलाज लेने के लिए राजी किया है।

पंजाब के उद्योग मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंध ने इंडस्ट्रियल युनिट ऑर्टेक टेक्सटाइल्स का उद्घाटन किया

संवाददाता
मोहाली

मेक इन इंडिया और विकसित भारत की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, भारत की सबसे बड़ी ऑथोर्पेडिक सहायक उपकरण निमार्ता कंपनी टाइनॉर ऑर्थोटिक्स ने पंजाब के मोहाली में एक अत्याधुनिक टैक्सटाइल्स मैन्युफैक्चरिंग युनिट - ऑर्टेक टेक्सटाइल्स - की स्थापना की है। बैकवर्ड इंटीग्रेशन मॉडल के तहत निर्मित यह प्लांट टाइनॉर ऑर्थोटिक्स की सभी तरह की रॉ मैटीरियल्स की जरूरतों को पूरा करेगा। यह इंडस्ट्रियल युनिट छह एकड़ में फैली हुई है और जमीन, इंफ्रास्ट्रक्चर और एडवांस्ड मशीनरी सहित ₹ 300 करोड़ के निवेश के साथ स्थापित की गई है।

इस अत्याधुनिक प्लांट का उद्घाटन मुख्य अतिथि स. तरुणप्रीत सिंह सोंध, उद्योग, आईटी और श्रम मंत्री, पंजाब सरकार ने किया। मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह भी गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ. पी जे सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी), टाइनॉर ऑर्थोटिक्स और ए.जे. सिंह, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, टायनॉर ऑर्थोटिक्स भी मौजूद थे।

सोंध ने मोहाली में प्लांट लगाने के लिए टाइनॉर ग्रुप की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. पी.जे. सिंह ने मोहाली में जमीन खरीदकर नए युनिट्स स्थापित करके जो किया है, वह पंजाब के विकास के लिए उनके मजबूत इरादे और समर्पण को दशार्ता है।

डॉ. पीजे सिंह , मैनेजिंग डायरेक्टर, टाइनॉर ऑर्थोटिक्स ने बताया कि टायनॉर ग्रुप वर्तमान में ₹ 600 करोड़ की मजबूत उत्पादन क्षमता के साथ काम कर रहा है। ऑर्टेक टेक्सटाइल्स के इंटीग्रेशन के माध्यम से योजनाबद्ध विस्तार के साथ, ग्रुप की यह क्षमता ₹ 2,000 करोड़ तक बढ़ने का अनुमान है। डॉ. पी जे सिंह, ने प्लांट के उद्घाटन से पहले मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण ग्रोथ न केवल हमारे मैन्युफैक्चरिंग फुटप्रिंट को मजबूत करेगी बल्कि अनुमानित 1,000 से 1,500 व्यक्तियों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी, जो क्षेत्रीय आर्थिक विकास में और महत्वपूर्ण योगदान देगी।

निरीक्षण

सिंचाई के लिए की गई व्यवस्था अहम

केंद्रीय टीम ने जालंधर जिले में पानी की संभाल संबंधी प्रोजेक्ट का लिया जायजा

संवाददाता
जालंधर

जल शक्ति अभियान की दो सदस्यीय टीम ने जिले का दौरा किया और जल संरक्षण परियोजनाओं तथा अन्य गतिविधियों की समीक्षा की।

अपने दौरे के दौरान, केंद्रीय टीम, जिसमें वित्तीय सेवा विभाग के निदेशक और जल शक्ति अभियान के केंद्रीय नोडल अधिकारी विवेक गुप्ता और केंद्रीय जल आयोग के उप निदेशक और तकनीकी अधिकारी संजीव कुमार शामिल थे, ने जिले के विभिन्न गांवों और कस्बों का दौरा किया और जल संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की।

केंद्रीय टीम ने ब्यास गांव में गांव के तालाब को नहर से जोड़ना, शकरपुर और कडियाना में चेक डैम, गांव अलावलपुर के कम्युनिस्ट सेंटर में वर्षा जल संचयन प्रणाली, सिकंदरपुर और जंडू सिंघा में थापर मॉडल तालाब, सूरानुसी में वन विभाग की नर्सरी, गांव उदेसियां में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की सिंचाई परियोजना, गांव नंगल जीवन में नहर पुनर्भरण योजना, गांव नूहमहिल में ड्रिप सिंचाई प्रणाली और जल के समुचित उपयोग से संबंधित अन्य परियोजनाएं शामिल है।

दौरे के बाद केंद्रीय टीम ने जिला प्रशासकीय परिसर में जिला प्रशासन व संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) अमनिंदर कौर व अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास) बुद्धि राज सिंह ने केंद्रीय टीम को वर्ष 2024-25 में जल संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। इसके अलावा बताया गया कि वर्ष 2025-26 के दौरान अब तक 354 तालाबों की सफाई व पुनरोद्धार किया जा चुका है। इसी तरह 23 चेक डैम बनाए गए हैं, 9 नए छप्पड़ का निर्माण कर उन्हें नहरों से जोड़ा गया है, 62 वर्षा जल संचयन ढांचे और 70 सोक पिट भी बनाए गए है। केंद्रीय टीम ने जल संरक्षण विशेष कर वर्षा जल के समुचित उपयोग को लेकर जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए जिले में चल रहे ऐसे अन्य प्रोजेक्टों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। टीम ने मृदा एवं जल संरक्षण विभाग द्वारा कम लागत वाली टिकाऊ वर्षा जल संचयन प्रणाली पर चर्चा की और इसे अन्य जिलों में भी लागू करने को कहा। दौरे के दौरान पूर्व कमिश्नर बिस्त दोआब जालंधर दविंदर सिंह, एस.डी.ओ. ग्राउंडवाटर जगविंदर सिंह, सब-डिवीजनल भू-संरक्षण अधिकारी इंजी. लुपिंदर कुमार, भू-संरक्षण अधिकारी अमरजीत सिंह आदि भी उपस्थित थे।

जिला कानूनी सेवाए अथॉरिटी ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

संवाददाता
जालंधर

जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जालंधर निरभऊ सिंह गिल तथा सीजेएम- कम-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जालंधर राहुल कुमार के कुशल मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 को बड़े उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम का आयोजन जिला न्यायालय परिसर में किया गया, जिसमें कानूनी पेशेवरों, कर्मचारियों, लीगल एड डिफेंस काउंसल, पैरा लीगल वालंटियर्स तथा आम जनता ने सक्रिय रूप से भाग लिया। हर वर्ष 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के अभ्यास के असंख्य लाभों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना है। इस वर्ष की थीम ?एक ग्रह, एक स्वास्थ्य योग? सभी के लिए कल्याण तथा न्याय तक पहुंच को बढ़ावा देने के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मिशन से गहराई से जुड़ी हुई है। शांति, सद्भाव तथा तनाव मुक्त जीवन को बढ़ावा देने में योग के महत्व पर जोर दिया गया।

योग प्रशिक्षक स्मिता कपूर, कुसम गुप्ता और पूनम राजपूत ने प्रतिभागियों को विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया। इस अवसर पर हरनेक सिंह, विमल सचदेवा, युवराज सिंह और जगन नाथ ने कहा कि कानूनी जागरूकता की तरह योग भी व्यक्ति को सशक्त बनाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यह उत्सव जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली मुफ्त कानूनी सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने का भी अवसर था। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, जालंधर कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत काम करता है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त और प्रभावी कानूनी सेवाएं प्रदान करना, आपसी विवादों के समाधान के लिए लोक अदालतें स्थापित करना और लोगों में कानूनी साक्षरता और जागरूकता फैलाना है। इस दौरान टोल फ्री नंबर 15100 के बारे में भी जानकारी दी गई।

मणिपुर में उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

उसके पास से बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की बाइक, 19 केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के डिमांड लेटर बरामद

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद विरोधी अभियान तेज कर दिए हैं। इस कार्रवाई में एक उग्रवादी की गिरफ्तारी हुई है और भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और संचार उपकरण जब्त किए गए हैं।

इम्फाल वेस्ट जिले के मायंग इम्फाल थाना मामांग थोंखोंग क्षेत्र से प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के एक कैडर यांगलेम सदानंद सिंह (26) को गिरफ्तार किया गया। वह मायंग इम्फाल थाना वांगखई लीकाई का निवासी है। उसके पास से बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की बाइक, सिम सहित मोबाइल फोन और 19 केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के डिमांड लेटर बरामद हुए। गिरफ्तारी के बाद विभिन्न संवेदनशील इलाकों में समन्वित तलाशी अभियान शुरू किया गया।

संवेदनशील इलाकों में हाई अलर्ट घोषित

इम्फाल ईस्ट जिले के यैंगांगपोकपी थाना अंतर्गत मायोफुंग-सनासाबी पहाड़ी क्षेत्र से सुरक्षा बलों ने एक बायपॉड माउंटेड .303 रायफल, 7 जिंदा राउंड, दो भारी कैलिबर मोर्टार, 20 मोर्टार बम, दो बर्मी आईईडी, चार बाओफेंग रेडियो सेट, एक पिस्तौल व तीन जिंदा कारतूस, 7.62 मिमी के 20 राउंड, सात नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, तीन ओ रिंग ग्रेनेड, पांच नंबर 8 डब्ल्यूपी ग्रेनेड, दो बुलेटप्रूफ जैकेट (एक प्लेट के साथ), एक हेलमेट, एक पाउच और एक जोड़ी जंगल शू बरामद किए गए।

इसी जिले के लामलाई थाना अंतर्गत चिंगखई चिंग फाकनुंग गांव की तलहटी से इंसास एलएमजी व मैगजीन, इंसास राइफल, दो एसएलआर राइफल, स्नाइपर राइफल, .32 पिस्तौल व मैगजीन, अलग-अलग कैलिबर के भारी मात्रा में कारतूस, खाली कारतूस खोल, तीन चार्जर क्लिप, 37 खाली .303 कारतूस, चार टियर स्मोक शेल, एक रबर बुलेट, दो बुलेटप्रूफ जैकेट, चार बुलेटप्रूफ प्लेट और तीन हेलमेट बरामद हुए।

फोटोः हि.स.

काकचिंग जिले के अरोंग नोंगमैखोंग थाना क्षेत्र के नोंगमैखोंग माखा लीकाई हिल रेंज से एक एसएमजी कार्बाइन, एके-47 राइफल, दो सिंगल बैरल बंदूकें, एक संशोधित 9 मिमी पिस्तौल, तीन लगभग 2-2 किग्रा वजनी आईईडी, एक स्कोप लेंस, ट्यूब लॉन्चर, एक एचई ग्रेनेड (बिना डेटोनेटर), छह रबर बुलेट, आठ वायर डेटोनेटर, दस पीईके विस्फोटक पैकेट और विभिन्न प्रकार के जिंदा व खर्च हो चुके कारतूस बरामद किए गए। साथ ही एक स्कूल बैग, एक बोरा और छलावरण वाला बॉडी गियर भी मिला।

थौबल जिले के यैरिपोक थाना अंतर्गत ग्वारोक महादेव की तलहटी से एक एसएलआर राइफल, एसएमजी कार्बाइन, 9 मिमी पिस्तौल, तीन एचई हैंड ग्रेनेड, .303, 5.56 मिमी, 5.56x30 मिमी, 9 मिमी और 7.62 मिमी के जिंदा कारतूस, डेटोनेटर, आर्मिंग रिंग, ट्यूब लॉन्चर, हेलमेट, रबर बुलेट और वायरलेस संचार उपकरण बरामद हुए।

लगातार हो रही इन बड़ी बरामदगियों से राज्य में सक्रिय उग्रवादी संगठनों की गंभीर चुनौती सामने आई है। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान अब भी जारी है और संवेदनशील इलाकों में हाई अलर्ट घोषित किया गया है ताकि हिंसा को रोका जा सके और शांति व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

उत्तराखंड में ट्राले से टकराई कार हरियाणा के चार लोगों की मौत

एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर की ओर से देहरादून आ रही एक कार रविवार तड़के थाना क्लेमेंटाउन के अंतर्गत आशारोड़ी के पास सीमेंट से भरे ट्राले से टकरा गई। इस दुर्घटना में हरियाणा निवासी 04 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। पुलिस के अनुसार घटना करीब तीन बजे की है। एक मारुति रिट्ज कार (एचआर 42 ई-2701) सहारनपुर की ओर से देहरादून आ रही थी। इसी दौरान कार आशारोड़ी के पास आगे चल रहे सीमेंट से भरे ट्राले (एचआर-63 एफ-5353) में जा घुसी। दुर्घटना में कार में सवार सभी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को 108 के माध्यम से कोरोनेशन/दून अस्पताल भिजवाया गया, जहां चिकित्सकों ने 04 लोगों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान अंकुश पुत्र अजीत निवासी पुरखास धीरन, जिला सोनीपत, हरियाणा, पारस पुत्र जयकरण निवासी पुरखास धीरन, जिला सोनीपत, हरियाणा, विनय पुत्र विजय निवासी पुरखास धीरन, जिला सोनीपत, हरियाणा, नवीन पुत्र नरेश निवासी खेड़ी तहसील रोहतक हरियाणा, अंकित पुत्र राजेश निवासी मेरिडा, तहसील जुलाना, जिला जींद, हरियाणा के रूप में हुई है। विनय पुत्र विजय निवासी पुरखास धीरन जिला सोनीपत हरियाणा का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

फोटोः हि.स.

पुलिस की ओर से मृतकों और घायल के परिजनों को सूचना दे दी गई है। वहीं ट्राले के चालक आफताब पुत्र जुल्फिकार निवासी शेखपुरा कदीम थाना देहात कोतवाली सहारनपुर जिला सहारनपुर से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

गृहमंत्री अमित शाह का आज से दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरा

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 22 और 23 जून को दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक अमित शाह आज दोपहर 1.45 बजे रायपुर पहुंचेंगे। माना विमानतल से सीधे नवा रायपुर अटल नगर स्थित बंजारी सेक्टर-2 जाएंगे, जहां नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) के रायपुर परिसर के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह विश्वविद्यालय भारत सरकार द्वारा गुजरात में संचालित किया जा रहा है, जो फॉरेंसिक विज्ञान, अपराध विज्ञान, खोजी अनुसंधान और फॉरेंसिक मनोविज्ञान जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है। इससे छत्तीसगढ़ को साइंटिफिक इन्वेस्टिगेशन के क्षेत्र में बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। इसके बाद अमित शाह नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ सहित

फोटोः हि.स.

पड़ोसी राज्यों के डीजीपी और एडीजीपी के साथ नक्सल ऑपरेशन की रणनीति को लेकर महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी शामिल होंगे। राज्य सरकार की नई रणनीतियों और ह्लसरेंडर और पुनर्वास नीतिह्व पर भी चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। अमित शाह रायपुर में ही रात्रि विश्राम करेंगे और अगले दिन 23 जून को वे बस्तर के नारायणपुर (अबूझमाड़) क्षेत्र के सुरक्षाबलों के जवानों और ग्रामीणों से चर्चा करेंगे। इसके बाद वे शाम 4:30 बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बम धमाका, 2 सुरक्षाकर्मियों की मौत, 4 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के कालात जिले में शनिवार को हुए एक बम विस्फोट में दो सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह जानकारी एक सुरक्षा अधिकारी ने दी। घटना कालात जिले के मांगोचर क्षेत्र के ग्रामीण जोबान इलाके में उस समय हुई, जब सुरक्षा बलों का एक वाहन गश्त कर रहा था। तभी सड़क किनारे छिपाए गए एक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) को अज्ञात हमलावरों ने रिमोट से उड़ा दिया। घटना के बाद सुरक्षा बलों और बचाव दलों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों और मृतकों को निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल किसी भी आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। धमाके के बाद इलाके को घेर लिया गया है और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, तलाशी अभियान के दौरान गोलीबारी की भी खबर है, हालांकि इस संबंध में अभी और जानकारी नहीं है।

ओडिशा बाढ़: बालासोर में एक व्यक्ति लापता, 50 गांव जलमग्न

बाढ़ में डूबे गांवों के लिए अब नाव ही संचार का एकमात्र साधन

एजेंसी (हि.स.)
बालासोर/ओडिशा

ओडिशा के बालासोर जिले में बाढ़ के पानी में बह जाने के बाद एक व्यक्ति लापता हो गया, जबकि 50 से अधिक गांव जलमग्न हो गए हैं, हालांकि रविवार को स्वर्णरेखा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे चला गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि जिले के बलियापाल प्रखंड के बिष्णुपुर ग्राम पंचायत क्षेत्र का एक युवक शनिवार को बाढ़ में बह गया। ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) की टीम ने उसकी तलाश में अभियान शुरू किया है।

बालासोर के सांसद प्रताप सारंगी ने आरोप लगाया कि झारखंड स्थित

फोटोः हि.स.

चांडिल बांध से बिना सूचना दिए अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के कारण बलियापाल, भोगराई, बस्ता और जलेश्वर में बाढ़ आई। उन्होंने इसे ₹आपराधिक लापरवाही₹ करार दिया।

इस बाढ़ से चार प्रखंडों में 50,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, प्रशासन को उम्मीद है कि अब स्थिति में सुधार हो सकता है क्योंकि स्वर्णरेखा नदी का जलस्तर कम होने लगा है। रविवार को सुबह 10 बजे राजघाट में जलस्तर खतरे के निशान 10.36 मीटर के मुकाबले 9.94 मीटर था। नदी का जलस्तर शनिवार को 11 मीटर से ज्यादा था। अधिकारियों के अनुसार, गांवों और खेतों में पानी भर गया है और स्थिति सामान्य होने में चार-पांच दिन लग सकते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार ने बचाव और राहत कार्यों में प्रशासन की मदद के लिए अग्निशमन सेवा (पांच टीमें), ओडीआरएएफ (तीन टीमें), एनडीआरएफ की एक टीम और नाव तैनात की हैं। बाढ़ में डूबे गांवों के लिए अब नाव ही संचार का एकमात्र साधन हैं। इस बीच, प्रभावित गांवों के कई लोग नदी के तटबंधों पर चले गए हैं। बालासोर के जिलाधिकारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि आशा कार्यकर्ता भोगराई और अन्य क्षेत्रों के 28 गांवों में ओआरएस और हैलोजन टैबलेट बांट रही हैं। सभी प्राथमिक उपचार केंद्र, उपकेंद्र और आशा स्तर पर दवाएं उपलब्ध हैं।

संक्षिप्त-समाचार

मलेशिया के जोहोर राज्य में तेल भंडारण फैसिलिटी में लगी भीषण आग

कुआलालंपुर। मलेशिया के जोहोर राज्य के पसिर गुदांग शहर में शनिवार को एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंजन ऑयल भंडारण केंद्र और ट्रक डिपो में भीषण आग लग गई। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि धुएं के विशाल गुबार ने पूरे इलाके को ढक लिया और पास के रिहायशी इलाकों को खाली कराना पड़ा। जोहोर अग्निशमन और बचाव विभाग के संचालन केंद्र के अनुसार, आग लगने की सूचना उन्हें दोपहर बाद (स्थानीय समयानुसार) प्राप्त हुई। दमकलकर्मी जब मौके पर पहुंचे तो ट्रक डिपो में लपटें तेजी से फैल रही थीं और तेज हवाओं के कारण आग पास की एक परित्यक्त तेल भंडारण इकाई तक फैल गई। बनार्मा (मलेशियाई राष्ट्रीय समाचार एजेंसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, आग लगभग 50 मीटर दूर स्थित एक आवासीय क्षेत्र तक भी पहुंच गई, जिससे वहां रहने वाले लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों ने आसपास के लोगों से संयम बनाए रखने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि स्थिति पर पूरी निगरानी रखी जा रही है और जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

रक्सौल में नेपाल बार्डर पर इराकी नागरिक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। बिहार में पूर्वी चंपारण जिला अन्तर्गत रक्सौल में भारत-नेपाल मैत्री पुल के समीप एक इराकी नागरिक को नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से प्रवेश के दौरान पकड़ा गया है। उक्त कारवाई एसएसबी के जवान और हरैया थाना की पुलिस ने बॉर्डर पर रूटीन चेकिंग के दौरान की है। पकड़े गये इराकी नागरिक की पहचान इराक के बगदाद के अल-दोरा निवासी बारा फौजी हामिद अल बयाती के रूप में हुई है।प्रारंभिक जांच के दौरान यह पाया गया कि उसका भारतीय वीजा काफी पहले ही समाप्त हो चुका है।बाबजूद इसके वह नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने बताया कि आरोपी के पास यात्रा के कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले हैं।फिलहाल पुलिस के वरीय अधिकारियो के साथ ही सुरक्षा एजेंसियो सूचित किया गया है,जो उसके भारत में प्रवेश के उद्देश्यो की जांच करेगे। उल्लेखनीय है,कि भारत और पाकिस्तान तनाव के बाद रक्सौल के भारत-नेपाल सीमा पर लगातार विदेशी नागरिको के पकड़े जाने के बाद एसएसबी,स्थानीय पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं,और लगातार सीमा पर पैनी निगाह रखी जा रही है।पुलिस के अनुसार आवश्यक पूछताछ के बाद इराकी नागरिक को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जायेगा।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में नौका डूबने से सात पर्यटकों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक नौका के डूब जाने से उसमें सवार सात पर्यटकों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्वात जिले के कलाम के शाही बाग इलाके में 10 पर्यटकों को ले जा रही नौका के पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि स्थानीय लोगों ने तीन अन्य को बचा लिया। बचाव अधिकारियों के अनुसार, चार पर्यटकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। स्थानीय अधिकारियों और बचाव दलों को तैनात कर दिया गया है, लेकिन भूभाग की जटिल संरचना और सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थित होने के कारण बचाव प्रयासों में बाधा आ रही है।ह्यनेशनल असेंबलीह्ल (पाकिस्तान की संसद) के सदस्य डॉ. अमजद अली ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को बचाव अभियान में तेजी लाने का भी निर्देश दिया।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने की दो ग्रामीणों की हत्या

बीजापुर/छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में बताया कि उसे सूचना मिली कि पामेड थाना क्षेत्र के सेंड्राबोर और आमपुर गांवों में नक्सलियों ने दो निर्दोष ग्रामीणों की बेरहमी से हत्या कर दी। विज्ञप्ति में कहा गया कि पुलिस घटना की पुष्टि कर रही है। हालांकि इसमें अपराध कब हुआ और अपराध के मकसद के बारे में नहीं बताया गया। यह घटना केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ दौरे से पहले हुई है। शाह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर रविवार दोपहर रायपुर पहुंचेंगे। बीजापुर जिले के पेद्दाकोरमा बीजापुर गांव में 17 जून को नक्सलियों ने 13 वर्षीय लड़के सहित तीन ग्रामीणों की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी थी। एक अधिकारी ने पहले बताया था कि तीन मृतकों में से दो वरिष्ठ नक्सली कैडर दिनेश मोडियम के रिश्तेदार थे। मोडियम ने इस वर्ष मार्च में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था।

भिंड में ट्रक और ऑटो की भिड़ंत में पति-पत्नी की मौत, तीन बच्चे घायल

भिंड। मध्यप्रदेश के भिंड जिले में एक अनियंत्रित ट्रक ने एक ऑटो को टक्कर मारी दी, जिससे उसपर सवार पति-पत्नी की मौत हो गई जबकि उनके तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा रात करीब 11:30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 719 पर खेरिया बाग के पास हुआ। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर फरार हो गया है। मेहगांव थाना प्रभारी महेश शर्मा ने बताया कि सिरसी थाना क्षेत्र के निवासी उमेश राजावत अपनी पत्नी यशोदा राजावत और बच्चों के साथ ऑटो में सवार होकर मेहगांव की तरफ जा रहे थे। उन्होंने बताया कि उसी समय ग्वालियर की ओर से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। शर्मा ने कहा कि हादसे में उमेश और यशोदा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनके तीन बच्चे कान्हा राजावत (14), शिवा राजावत (12) और बिट्टू (4) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने कहा कि घायलों को तत्काल मेहगांव उप स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए ग्वालियर रेफर किया गया है। उन्होंने कहा, ₹मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

तमिलनाडु: मदुरै में आज 'मुरुगा भक्त महा सम्मेलन'

एजेंसी (हि.स.)
मदुरै

तमिलनाडु के मदुरै में आज दोपहर 3:00 बजे से रात 8:00 बजे तक मुरुगा भक्त महा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का मुख्य कार्यक्रम शाम 6:00 बजे कंडा षष्ठी कवासम नामक धार्मिक और शुभ गायन कार्यक्रम है।

मुरुगा भक्त सम्मेलन के लिए मदुरै वंडियुर टोलगेट के पास 8 लाख वर्ग फीट की जमीन पर भव्य मंच बनाया गया है। 6 फीट ऊंचा छोटा मंच और उसके पीछे 10 फीट ऊंचा एक बड़ा मंच है। एक लाख सीटें लगाई गई हैं।हिंदू फ्रंट के कार्यकारी ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य कार्यक्रम है कि 5 लाख भक्त सम्मेलन हॉल के अंदर और बाहर एक साथ कंडा षष्ठी कवासम गाएंगे और यह गिनीज रिकॉर्ड बनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। जो लोग व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं हो सकते हैं, उन्हें अपने घरों से गाने को कहा गया है। भक्तों को दोपहर 3:00 बजे तक सम्मेलन स्थल पर पहुंचने की

फोटोः हि.स.

सलाह दी गई है। शाम 4:00 बजे पारंपरिक तमिल कला प्रदर्शन होंगे। शाम 6:00 बजे कंदषष्ठी कवसम का गायन किया जाएगा। इसके लिए सम्मेलन परिसर में 18 एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं। भक्तों के लिए स्क्रीन देखते हुए कंदषष्ठी कवसम गाने की व्यवस्था की गई है। इसके बाद विशेष अतिथियों द्वारा भाषण दिए जाएंगे। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, मठाधीश, हिंदू मोर्चा, भाजपा और कार्यकारिणी भाग लेंगे। सम्मेलन परिसर वंडियूर टोल गेट के पास मुख्य सड़क पर स्थित है, इसलिए यातायात की भीड़ से बचने के लिए अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। सम्मेलन में आने वाले महत्वपूर्ण अतिथियों के लिए एक विशेष मार्ग निर्धारित किया गया है।सम्मेलन परिसर में आम जनता के प्रवेश के लिए दो प्रवेश द्वार बनाए गए हैं और एक वीआईपी वाहनों के लिए। सम्मेलन परिसर के सामने वाहनों को पार्क करने के लिए एक विशाल पार्किंग सुविधा स्थापित की गई है। क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए जनता के लिए रास्ते में बैरिकेड्स लगाए गए हैं और पुलिस यातायात को नियंत्रित करेगी। वाहनों को व्यवस्थित करने और भक्तों का मार्गदर्शन करने के लिए अकेले क्षेत्र में 300 स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है।पुलिस आयुक्त लोगनाथन के नेतृत्व में 5 उपायुक्त, 15 सहायक आयुक्त और 54 निरीक्षकों सहित कुल 2279 पुलिस अधिकारी सम्मेलन की सुरक्षा कार्य में लगे हुए हैं।

पहलगाम हमला: आतंकियों को पनाह देने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पहलगाम हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। एजेंसी की तरफ से रविवार को बताया गया कि बटकोट के परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के हिल पार्क के बशीर अहमद जोथर ने हमले में शामिल तीन सशस्त्र आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है। उन्होंने यह भी पुष्टि की है कि हमलावर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक थे। एनआईए ने कहा कि परवेज और बशीर ने हमले से पहले हिल पार्क में एक मौसमी ढोक (झोपड़ी) में तीन सशस्त्र आतंकवादियों को जानबूझकर पनाह दी थी। दोनों ने आतंकवादियों को भोजन, आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी, जिन्होंने 22 अप्रैल को पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-चुन कर मार डाला। एनआईए ने दोनों को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। आगे की जांच जारी है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड के सबूत छिपाने के आरोप में इंदौर का संपत्ति कारोबारी गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
इंदौर/मध्यप्रदेश

बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड के सबूत छिपाने के आरोप में मेघालय पुलिस ने इंदौर के एक संपत्ति कारोबारी को गिरफ्तार किया है। स्थानीय पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। इंदौर के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया, राजा रघुवंशी हत्याकांड के सबूत छिपाने के मामले में मेघालय पुलिस ने इंदौर के संपत्ति कारोबारी शिलोम जेम्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जेम्स पर हत्याकांड की मुख्य आरोपी एवं राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम का वह बैग गायब करने का आरोप है जो उसने इस वारदात के बाद शहर के देवास नाका क्षेत्र के एक फ्लैट में छिपाया था। सूत्रों के मुताबिक इस बैग में हत्याकांड से जुड़े 'अहम सबूत' थे। सूत्रों ने बताया कि यह बैग शहर के जिस फ्लैट में छिपाया गया था उसे जेम्स ने हत्याकांड के पांच गिरफ्तार आरोपियों में शामिल विशाल चौहान को किराये पर दिलाया था।जेम्स,

इंदौर में संपत्ति प्रबंधन की एक फर्म संचालित करता है। उसने 13 जून को खुद मीडिया के सामने आकर दावा किया था कि चौहान ने 30 मई को उससे मुलाकात करके शहर के देवास नाका क्षेत्र में 17,000 रुपये प्रति माह पर एक फ्लैट किराए पर लिया था और चौहान ने इसके लिए अनुबंध पर दस्तखत भी किए थे। सूत्रों ने बताया कि मेघालय पुलिस जब सबूतों की तलाश में इस फ्लैट में पहुंची तो उसे यह फ्लैट खाली मिला था। सूत्रों के मुताबिक राजा रघुवंशी हत्याकांड के बाद मेघालय से अपने गृह नगर इंदौर लौटी सोनम इस फ्लैट में कई दिन तक छिपी रही थी। उन्होंने बताया कि बाद में सोनम इंदौर से एक टैक्सी के जरिये उत्तर प्रदेश पहुंची और उसने गाजीपुर जिले में पुलिस के सामने आठ जून को देर रात आत्मसमर्पण कर दिया था।

उत्तराखंड में बंधक बनाए 35 नेपाली नागरिकों को मुक्त कराया गया, आज होगी वापसी

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

भारत के उत्तराखंड में कई दिनों से बंधक बना कर रखे गए 35 नेपाली नागरिकों को सकुशल रिहा कराया गया है। इन युवाओं को नौकरी का झांसा देकर बंधक बनाया गया था। रविवार को इन युवकों को कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद नेपाल वापस भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

उत्तराखंड के काशीपुर में स्थानीय पुलिस ने छापा मारकर एक ही स्थान से 35 युवकों को मुक्त कराया गया। नई दिल्ली में नेपाली दूतावास ने कहा कि इन युवकों को बंदी बनाए जाने की सूचना के बाद मुक्त कराया गया। दूतावास ने गुरुवार को उत्तराखंड पुलिस और किन इंडिया नामक संगठन की मदद से उन्हें बचाया। इन सभी को शनिवार को दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास लाया गया।

दूतावास ने कहा है कि उत्तराखंड पुलिस ने घटना से संबंधित कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। दूतावास के उपप्रमुख डा. सुरेन्द्र थापा ने कहा कि इस मामले की उत्तराखंड पुलिस आगे की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों को उचित कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद रविवार को नेपाल भेजने की व्यवस्था की गई है।

युद्ध | इजराइल और ईरान सैन्य संघर्ष में अमेरिका की भी एंट्री

अमेरिका ने ईरानी परमाणु केंद्रों पर बरसाए बम

ट्रंप ने कहा-ईरान को अब शांति स्थापित करनी चाहिए

एजेंसी (हि.स.)
वॉशिंगटन

इजराइल और ईरान सैन्य संघर्ष में अमेरिका की भी एंट्री हो गई है। अमेरिका ने ईरान के तीन न्यूक्लियर साइट फोर्डो, नतांज और एस्फहान पर हमला कर उसे तबाह करने का दावा किया है। यह हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सैन्य अभियान को लेकर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान को अब शांति स्थापित करनी चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो भविष्य में हमले कहीं अधिक बड़े होंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने एक्स पोस्ट में ईरान के खिलाफ चलाए गए अमेरिकी सैन्य

फोटोः हि.स.

अभियान की जानकारी देते हुए लिखा कि अमेरिका ने ईरान के जिन तीन न्यूक्लियर साइट को निशाना बनाया है वो फोर्डो, नतांज और एस्फहान में हैं। ट्रंप ने लिखा,"हमने इन साइट्स पर एक साथ कई बम गिराए हैं। हमारे सभी लड़ाकू विमान सुरक्षित रूप से अमेरिका लौट आए हैं। मैं अमेरिका के जाबाजों को बधाई देता हूं। दुनिया में ऐसी दूसरी कोई सेना नहीं है जो यह कर सके। ट्रंप ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर चलाए गए सैन्य अभियान को लेकर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका ने ईरान पर बड़ा हमला किया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बहुत कोशिश की कि ऐसा कदम न उठाना पड़े, लेकिन उनके पास कोई विकल्प नहीं था और अब ईरान को शांति के रास्ते पर लौटना चाहिए। ईरान के पास अब भी शांति के रास्ते पर लौटने का समय है, उसे यह युद्ध खत्त करना होगा। अगर ईरान ने पलटवार किया तो हम भी हमला करेंगे।

परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों को लेकर ईरान ने कहा- दीर्घकालिक परिणाम होंगे

तेहरान। ईरान ने अपने तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले की निंदा करते हुए इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताया है।ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) पर बेरुखी का आरोप लगाया। ईरान ने वैश्विक समुदाय से अमेरिकी हमलों की निंदा कर ईरान के रुख के समर्थन की अपील की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फहान को तबाह करने का दावा किया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि अमेरिका ने ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और एनपीटी का गंभीर उल्लंघन किया है। इनके दीर्घकालिक परिणाम होंगे और संयुक्त राष्ट्र के हर सदस्य को इस बेहद खतरनाक, अराजक और आपराधिक व्यवहार से चिंतित होना चाहिए। अब्बास अरागची ने लिखा कि ईरान के पास अपनी संप्रभुता, हित और लोगों की सुरक्षा के सभी विकल्प हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वह ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले को लेकर बेहद चिंतित हैं।

लीड्स टेस्टः इंग्लैंड की ठोस शुरूआत, ओली पोप का शतक, भारत को बुमराह ने दिलाई बढ़त

दूसरे दिन का खेल खत्म, इंग्लैंड 209/3, अब भी 262 रन पीछे

- बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए

एजेंसी (हि.स.)

लीड्स

भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत द्वारा पहली पारी में बनाए गए 471 रन के जवाब में इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट पर 209 रन बना लिए हैं। मेजबान टीम अभी भी भारत से 262 रन पीछे है।

इंग्लैंड की शुरूआत धीमी रही और उसे पहला झटका केवल 4 रन के स्कोर पर लग गया, जब जैक क्रॉली को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर दिया। इसके बाद बेन डकेट (62) और ओली पोप (100*) ने टीम को संभालते हुए दूसरी विकेट के लिए अहम साझेदारी की। जो रूट ने 28 रनों का योगदान दिया, लेकिन वह भी बुमराह का शिकार बने। दिन का खेल खत्म होने तक ओली पोप 100 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि हैरी ब्रूक बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद हैं।

फोटोः हि.स.

भारत की ओर से अब तक जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीनों विकेट अपने नाम किए हैं। इससे पहले भारत ने दिन की शुरूआत 359/3 के स्कोर से की थी और अपनी पहली पारी में 471 रन पर ऑलआउट हो गई। दूसरे दिन ऋषभ पंत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 134 रनों की शतकीय पारी खेली, जबकि शुभमन गिल ने 147 रन बनाए। हालांकि निचला क्रम कुछ खास नहीं कर सका और भारत ने जल्दी-जल्दी अपने बचे हुए विकेट गंवा दिए।

इंग्लैंड के लिए बेन स्टोक्स और जोश टंग ने सबसे प्रभावशाली गेंदबाजी की और चार-चार विकेट लिए। ब्रेंडन कार्स और शोएब बशीर को एक-एक सफलता मिली।

बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, उनका सामना करना बहुत मुश्किल : डकेट

लीड्स। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट का मानना है कि जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और लाइट चालू होने पर जब वह दोनों तरफ से गेंद को स्विंग कराते हैं तो उनका सामना करना बेहद मुश्किल होता है। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन 48 रन देकर तीन विकेट लिये जिसमें जो रूट का विकेट शामिल है। भारत के पहली पारी के 471 रनों के जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बना लिये थे। तीसरे नंबर पर उतरे ओली पोप नाबाद 100 रन बनाकर किला संभाले हुए थे। डकेट ने दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, ₹वह (बुमराह) दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। उनका सामना करना बेहद मुश्किल है, वह किसी भी परिस्थिति में अच्छे हैं और लाइट चालू होने पर दोनों तरफ स्विंग करते हुए आते हैं तो उन्हें खेलना मुश्किल होता है।₹ उन्होंने कहा, बिना किसी संकेत के तीन या चार अलग-अलग गेंदें फेंकने की उनकी क्षमता कमाल की है। आपको तब तक पता नहीं चलता कि वह बाउंसर, या धीमी गेंद, यॉर्कर, बाहर की ओर जाती स्विंगर या इनस्विंगर डाल रहे हैं, जब तक कि गेंद उनके हाथ से न निकल जाए। आपको उनके साथ गेंद को इतनी बारीकी से देखना पड़ता है कि उन्हें समझना बहुत मुश्किल हो जाता है।

कनाडा ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

- नाडा ने बहामास को सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

कनाडा क्रिकेट टीम ने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार अमेरिका क्वालीफायर के मेजबान ने बहामास के खिलाफ जीत हासिल कर टूनामेंट में अपना स्थान सुनिश्चित किया, जो मौजूदा अभियान में उनकी लगातार पांचवीं जीत है।

आईसीसी वेबसाइट के अनुसार कलीम सना और शिवम शर्मा ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जिससे कनाडा ने बहामास को सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया। इसके बाद इस छोटे से लक्ष्य को कनाडा के बल्लेबाजों ने सिर्फ 5.3 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल लिया गया। कनाडा के बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा ने 14 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए। पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए टी20 विश्व कप में भाग लेने के बाद कनाडा क्वालीफायर में आगे बढ़ने के लिए पसंदीदा टीमों में से एक के रूप में पहुंचा। निकोलस किर्टन की अगुवाई वाली कनाडाई टीम ने बरमूडा के खिलाफ 110 रनों से बड़ी जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की थी। इसके बाद केमैन आइलैंड्स के खिलाफ 59 रनों से जीत दर्ज की। फिर अगले मैच में बहामास को 10 विकेट से रौंदा। चौथे मैच में केमैन आइलैंड्स के खिलाफ आरामदायक जीत दर्ज की। अब अपने पांचवें मैच में लगातार जीत दर्ज कर टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। कनाडा अब उन 10 टीमों की सूची में शामिल हो गया है जो 20 टीमों के इस आयोजन के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं। इसके साथ ही सह-मेजबान भारत और श्रीलंका भी इसमें शामिल हैं। अन्य क्वालीफाई करने वाली टीमों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान शामिल हैं। अब सात टीमें विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने से बची हैं। इनमें यूरोप क्वालीफायर से दो (5-11 जुलाई तक), अफ्रीका क्वालीफायर से दो (19 सितंबर - 4 अक्टूबर) और एशिया-ईएपी क्वालीफायर से तीन (1-17 अक्टूबर) टीमें पुरुष टी 20 विश्व कप में शामिल होंगी।

फोटोः हि.स.

आंकड़ों के खेल में माहिर है पंत, उसका अपना कम्प्यूटर है : रवि शास्त्री

एजेंसी (हि.स.)

लीड्स

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ऋषभ पंत के साहसिक और मनोरंजक प्रदर्शन के बाद कहा कि यह आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज आंकड़ों का खेल खूबसूरती से खेलता है और उसके पास अपना कंप्यूटर है जिसे चलाने का तरीका सिर्फ उसे ही पता है।

पंत ने दूसरे दिन अपनी अपारंपरिक बल्लेबाजी से हेडिंग्ले के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए मात्र 178 गेंदों पर 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से 134 रन की साहसिक पारी खेली। पैडल स्वीप, शतक के बाद की कलाबाजी, पंत की यादगार पारी में कलात्मकता और पागलपन दोनों ही समान रूप से देखने को मिले। शास्त्री ने स्काय स्पोटर्स से कहा, पंत आंकड़ों के

फोटोः हि.स.

खेल को खूबसूरती से खेलता है। वह अपने तरीके से खेलता है। वह तेजी से अपने खेल में बदलाव लाने में माहिर है। उन्होंने कहा, उसका अपना कम्प्यूटर है और उसे ही पता है कि वह कैसे काम करता है। यह उसका यूएसपी है।

इससे गेंदबाज दबाव में आते हैं और वह सुपरहिट हो जाता है। असली मनोरंजन करने वाला और मैच विनर। तीन साल पहले भयानक कार दुर्घटना में बाल बाल बचे पंत ने मैदान पर सफल वापसी की। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक जमाने के बाद मैदान पर गुलाटी मारने वाले पंत के जश्न के बारे में शास्त्री ने कहा, इसका एक कारण है। वह इस मौके के लिये ऊपर वाले को धन्यवाद दे रहा था।

उन्होंने कहा, उस हादसे से उबरकर वापसी करने का इससे गहरा ताल्लुक है। जब मैने उसे अस्पताल में देखा था तो बहुत अच्छी हालत में वह नहीं था। घुटने टूटे हुए, हर तरफ चोट ही चोट। सर्रे के पूर्व क्रिकेटर इयान वार्ड ने कमेंट्री के दौरान कहा, ह्यह्य यह (पंत) बाक्स आफिस है। सबसे मनोरंजक क्रिकेटरों में से एक। यह शतक के बेहतरीन जश्न में से है। आस्ट्रेलिया में श्रृंखला में मिली हार के दौरान खराब स्कूप शॉट पर विकेट गंवाने वाले पंत के बारे में महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा था, स्टुपिड, स्टुपिड, स्टुपिड। लेकिन शनिवार को उन्होंने पंत के शतक के बाद कहा, सुपर्ब, सुपर्ब, सुपर्ब।

काउंटी मैच खेलेंगे आर्चर, भारत के खिलाफ खेल सकते हैं दूसरा टेस्टः रिपोर्ट

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

चोटों से प्रभावित तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहा दूसरा टेस्ट खेल सकते हैं क्योंकि वह डरहम में ससेक्स के लिये काउंटी चैम्पियनशिप मैच खेलने जा रहे हैं। भारत के खिलाफ एंडरसन तेंदुलकर श्रृंखला के पहले टेस्ट में आर्चर और मार्क वुड के बिना इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिखाई दिया।

स्काय स्पोटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, जोफ्रा आर्चर ससेक्स के लिये लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करेंगे हालांकि उनका नाम काउंटी चैम्पियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं था। अगर वह मैच खेल पाते हैं तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट की टीम में हो सकते हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की है कि वह इस काउंटी मैच के लिये ससेक्स टीम में होंगे। आईपीएल 2025 में

फोटोः हि.स.

राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेले हैं। आर्चर ने 2021 से इंग्लैंड के लिये सिर्फ सफेद गेंद के प्रारूप में खेला है।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा था, कई बार वह मुझे मैसेज भेजता है। मैने उसे यही सलाह दी कि हड़बड़ी नहीं करे। वह चोटों से काफी परेशान रहा है। उसकी वापसी इंग्लैंड के लिये रोमांचक होगी। उम्मीद है कि वह टेस्ट क्रिकेट में चयन के लिये उपलब्ध होगा।

बीसीसीआई ने आईपीएल ट्रॉफी सेलिब्रेशन के लिए तैयार की सख्त गाइडलाइन्स

नई दिल्ली। आरसीबी के विक्ट्री सेलिब्रेशन के दौरान हुई घटना को देखते हुए बीसीसीआई सख्त कदम उठाने जा रही है, ताकि इस तरह की लापरवाही भविष्य में ना हो सके। बीसीसीआई ने सख्त गाइडलाइन तैयार की है। किसी भी टीम को खिताब जीतने के 3-4 दिन के भीतर जश्न मनाने की इजाजत नहीं होगी। जल्दबाजी और खराब प्रबंधन वाले आयोजनों से बचने के लिए त्वरित बदलाव की अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी भी विक्ट्री आयोजन से पहले टीमों को बीसीसीआई से औपचारिक अनुमति लेनी होगी। बोर्ड की पूर्व लिखित अनुमति के बिना कोई भी कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सकता। अनिवार्य 4 से 5 स्तरीय सुरक्षा प्रोटोकॉल सभी स्थानों पर सुरक्षाकर्मियों का होगा जरूरी। हवाई अड्डे से कार्यक्रम स्थल तक टीम सख्त सुरक्षा में रहेगी। पूरे आयोजन कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों और कर्मचारियों के लिए पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करना। जिला पुलिस, राज्य सरकार और स्थानीय अधिकारियों से अनुमति लेनी होगी कानूनी रूप से और सुरक्षित रूप से आगे बढ़ने के लिए सभी समारोहों को नागरिक और कानून प्रवर्तन निकायों द्वारा हरी झंडी दी जानी चाहिए।

विराट और रोहित के लिये 2027 विश्व कप खेलना आसान नहीं होगा : गांगुली

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिये 2027 तक फिट रहकर भारत की वनडे विश्व कप टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। गांगुली ने अपने आवास पर पीटीआई को दिये इंटरव्यू में कहा, हम सभी को समझना होगा कि हर किसी की तरह एक दिन खेल उनसे दूर हो जायेगा और वह खेल से दूर हो जायेंगे। अगला वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2027 में होगा तब कोहली 38 और रोहित 40 साल के हो जायेंगे। उस समय तक भारत को नौ द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में 27 वनडे खेलने हैं यानी साल में बमुश्किल 15 मैच। गांगुली ने कहा, साल में सिर्फ 15 मैच। यह आसान नहीं होगा। कोहली और रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से विदा लेने के बाद वनडे विश्व कप खेलने की इच्छा जताई थी। अपने खेलने के दिनों में शानदार

फोटोः हि.स.

वनडे बल्लेबाज रहे गांगुली से जब पूछा गया कि वह रोहित और कोहली को क्या सलाह देना चाहेंगे, उन्होंने कहा, मैं कोई सलाह नहीं दूंगा। मुझे लगता है कि वे अपने खेल को बखूबी समझते हैं। वे ही फैसला लेंगे। गांगुली ने कहा कि कोहली जैसा खिलाड़ी मिलना आसान नहीं होगा हालांकि इन दोनों के दिग्गजों के संन्यास के बाद वह भारतीय क्रिकेट को लेकर चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं चिंतित नहीं हूं। विराट शानदार खिलाड़ी है। उसका विकल्प तलाशने में समय लगेगा। लेकिन मैं हैरान नहीं हूं। युवराज सिंह के बारे में उन्होंने कहा कि वह विशेष खिलाड़ी था जो सफेद गेंद के प्रारूप में चमका लेकिन उसे पारंपरिक प्रारूप में अपना हुनर दिखाने के मौके नहीं मिले।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर विशेषः ओलंपिक में गर्व की इबारत लिखता भारत, आधुनिक ओलंपिक खेलों के 129 वर्ष

ओलंपिक खेल अंतरराष्ट्रीयस्तर पर आयोजित होने वाली बहु-खेल प्रतियोगिता है, जिसे सही मायनों में एक लोकप्रिय बहु-सांस्कृतिक उत्सव की संज्ञा भी दी जा सकती है। प्रत्येक चार वर्ष में आयोजित होने वाले ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों का आयोजन

प्राचीन काल में भीओलंपिक खेलों का कितना महत्व था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ईसा पूर्व पांचवीं शताब्दी में ग्रीस के एक महान गीतकार पिन्डार ने लिखा था कि जिस प्रकार दिन के समय आकाश में सूर्य के समान गर्म और चमकदार कोई सितारा नहीं होता, उसी प्रकार ओलंपिक खेलों से बड़ी कोई प्रतियोगिता नहीं है। 776 ई.पू. शुरू हुए ओलंपिक में एलिस के एक रसोईये कोरोबस ने भी हिस्सा लिया था, जो 210 गज (लगभग 192 मीटर) की नग्न दौड़ में जीतकर प्राचीन ओलंपिक का प्रथम चैम्पियन बना था।

आज भी उसे इतिहास में सबसे पहला ओलंपिक चैम्पियन माना जाता है। प्राचीन ओलंपिक 776 ई.पू. से लेकर वर्ष 393 तक हर चार-चार वर्ष के अंतराल पर निरन्तर आयोजित होते रहे किन्तु तब तक इन खेलों में खेल भावना सर्वोपरि होने के बजाय धोखाधड़ी, ईर्ष्या और घटिया शर्तों ने ओलंपिक में अहम स्थान बना लिया था, जिसके चलते रोमन सम्राट थ्योडॉसियस ने सन् 393 में ओलंपिक खेलों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। इस प्रकार ओलंपिक खेलों का एक बहुत लंबा अध्याय वहीं समाप्त हो गया था।

करीब 1500 वर्ष बाद फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलंपिक खेलों की आधारशिला रखी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीयओलंपिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलंपिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलंपिक खेल प्राचीन ओलंपिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी।

जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलंपिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलंपिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलंपिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतरराष्ट्रीयसमिति का गठन करें। उसके बाद ह्यअंतरराष्ट्रीयओलंपिक समितिह्न का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलंपिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलंपिक खेल में प्रथम ओलंपिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत

अंतरराष्ट्रीयओलंपिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलंपिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतरराष्ट्रीयओलंपिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलंपिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतरराष्ट्रीयओलंपिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ह्यओलंपिक दिवसह्न के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। यह दिवस मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य खेलों में अंतरराष्ट्रीयस्तर पर प्रत्येक वर्ग और आयु के लोगों की भागीदारी को बढ़ावा देना है। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल, शीतकालीन ओलंपिक खेल और युवा ओलंपिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलंपिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलंपिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलंपिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

पहले ओलंपिक खेलों में महिलाओं के भाग लेने पर था प्रतिबंध

पहले ओलंपिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन 1900 में दूसरे ओलंपिक में महिलाओं को भी ओलंपिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलंपिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलंपिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलंपिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया है। ओलंपिक खेलों के उद्घाटन के समय स्टेडियम में सबसे पहले ग्रीस की टीम प्रवेश करती है। उसके बाद मेजबान देश की भाषानुसार वर्णमाला के क्रम से एक-एक करके दूसरे देशों की टीमें स्टेडियम में प्रवेश करती हैं जबकि मेजबान देश की टीम सबके बाद स्टेडियम में पहुंचती है।

आधुनिक ओलंपिक खेलों में भारत 105 वर्ष का सफर पूरा कर चुका है

आधुनिक ओलंपिक खेलों में भारत 104 वर्ष का सफर पूरा कर चुका है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलंपिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो सिल्वर मेडल जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया था। इस लिहाज से भारत इस वर्ष अपने ओलंपिक अभियान के 104 साल पूरे कर रहा है। 2021 में टोक्यो ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण सहित कुल 7 पदक भारत की झोली में डाले थे। 1900 से अब तक ओलंपिक खेलों में भारत ने कुल 35 पदक जीते हैं, जिनमें 10 स्वर्ण, 9 रजत और 16 कांस्य पदक शामिल हैं। सर्वाधिक पदक भारतीय हॉकी टीम द्वारा जीते गए हैं। बहरहाल, भारत की नजरें अब 2036 में होने वाले ओलंपिक की मेजबानी पर टिकी हैं और माना जा रहा है कि भारतीय खेल प्रशासक 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के दौरान इसके लिए कड़ी लॉबिंग करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल मुंबई में आईओसी कांग्रेस के दौरान कहा था कि भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का इच्छुक है। केन्द्रीय खेल मंत्री मनमुख मांडविया के मुताबिक पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद ओलंपिक की दावेदारी पर चर्चा होगी, जिसके लिए हम पूरी तरह से तैयार हैं लेकिन हमें पेरिस ओलंपिक के दौरान अंतरराष्ट्रीयओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ लॉबिंग करनी होगी और उसके लिए हम अच्छी तरह से तैयार हैं। अभी 2036 के आलंपिक खेलों के मेजबानी अधिकार को अंतिम रूप नहीं दिया गया है और इस पर आईओसी अध्यक्ष के अगले साल होने वाले चुनाव के बाद ही निर्णय होने की संभावना है। यदि भारत मेजबानी हासिल करने में सफल रहता है तो शतरंज, टी20 क्रिकेट और स्क्वाश के अलावा स्वदेशी खेलों योग, खो-खो और कबड्डी सहित कुल छह खेलों को भी ओलंपिक में शामिल करने का प्रयास करेगा। भारतीय खेल प्राधिकरण की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) की रिपोर्ट में इन छह खेलों का उल्लेख किया गया है। यदि भारत को 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी मिलती है तो प्रस्तावित खेलों को उससे पहले 2032 में ब्रिस्बेन में होने वाले ओलंपिक खेलों के दौरान प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल किया जाएगा, उसी के बाद इन खेलों को ओलंपिक में शामिल करने पर विचार किया जाएगा।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने मनाया योग दिवस

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य: चंडीगढ़ के कलाग्राम में गूंजा योग का संदेश, 650 से ज्यादा लोगों ने किया सहभाग

संवाददाता
चंडीगढ़

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनजेडसीसी), पटियाला – संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में – ने 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस चंडीगढ़ के कलाग्राम, मनीमाजरा में बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ मनाया। इस वर्ष योग दिवस की थीम रही एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग, जिसे आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित सामान्य योग प्रोटोकॉल के तहत सुबह 6 बजे आरंभ किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरकारी योग शिक्षा एवं स्वास्थ्य महाविद्यालय, चंडीगढ़ की योग प्रशिक्षक राजवंत कौर के प्रेरणादायक स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने योग को जीवन में संतुलन, शांति और स्वास्थ्य बनाए रखने का प्रभावी माध्यम बताया।

योगाभ्यास सत्र से पहले प्रधानमंत्री का संदेश वीडियो के माध्यम से लाइव दिखाया गया, जिसे सभी प्रतिभागियों ने गंभीरता से सुना। इसके उपरांत योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में हुए अभ्यास में वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों, युवाओं, कलाकारों और आमजन सहित लगभग 650 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एनजेडसीसी के अधिकारी और कर्मचारी भी इस आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल हुए। योग सत्र में विभिन्न शारीरिक आसनों, प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया गया, जिससे प्रतिभागियों को मानसिक शांति और ऊर्जा का अनुभव हुआ। इस आयोजन का सीधा प्रसारण सोशल मीडिया चैनलों पर भी किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुईं पूर्व मेयर सरबजीत कौर, जबकि विशेष अतिथि रहे पूर्व उप महापौर जगतार सिंह जग्गा और कर्नल गुरसेवक सिंह। कर्नल सिंह ने अपने वक्तव्य में योग को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया।

इस भव्य आयोजन को एसएनए पुरस्कार विजेता बलकार सिद्धू, सरिता खुराना, स्वर्ण सिंह चन्नी, दविंदर सिंह जुगनी, भोला कलहेरी और मनप्रीत सिंह जैसी कला और समाजसेवा से जुड़ी हस्तियों की उपस्थिति ने विशेष गरिमा प्रदान की।

अंत में सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे योग को न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में अपनाएंगे, बल्कि समाज में इसके प्रचार-प्रसार में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

पीजीआईएमईआर ने सर्जिकल प्रशिक्षुओं के लिए अभिनव वैज्ञानिक चित्रण कार्यशाला का आयोजन किया

संवाददाता
चंडीगढ़

विज्ञान और कला के एक नए मिश्रण में, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में जनरल सर्जरी विभाग ने आज एक अनूठी वैज्ञानिक चित्रण कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें सर्जिकल रेजिडेंट और नए जॉइनर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का नेतृत्व मेडिकल एनिमेशन और ऑडियो-विजुअल क्रिएशन में अतिथि व्याख्याता सुश्री शिवाली अंगुराला ने किया, साथ ही पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के फोटोग्राफी विभाग के प्रभारी श्री बृज लाल भी अतिथि संकाय के रूप में शामिल हुए। साथ में, उन्होंने प्रतिभागियों को वैज्ञानिक चित्रण के बढ़ते क्षेत्र का व्यापक परिचय दिया, जिसमें कलात्मक सिद्धांतों को चिकित्सा परिशुद्धता के साथ जोड़ा गया। सत्र में सर्जिकल चित्रण के माध्यम से कहानी कहने, ड्राइंग के मूल सिद्धांतों, डिजिटल चित्रण तकनीकों, रंग सिद्धांत और दृश्य संचार के विज्ञान जैसे विविध विषयों को शामिल किया गया। कार्यशाला का एक मुख्य आकर्षण लाइव हैंड्स-ऑन ड्राइंग सत्र था, जहां प्रतिभागियों ने जटिल सर्जिकल परिदृश्यों को प्रभावी दृश्य अभ्यावेदन में अनुवाद करने में सक्रिय रूप से भाग लिया। श्री बृज लाल ने चिकित्सा फोटोग्राफी के तकनीकी पहलुओं और शल्य चिकित्सा दस्तावेजीकरण और चित्रण में इसके एकीकरण पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। डॉ. उत्कर्ष ने वीडियो संपादन तकनीकों पर एक इंटरैक्टिव प्रदर्शन किया, जिसमें दिखाया गया कि शल्य चिकित्सा शिक्षण के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षिक सामग्री बनाने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग कैसे किया जा सकता है। प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त जोड़ते हुए, डॉ. अरुण ने एक त्वरित स्वस्थ प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें प्रतिभागियों को समय की कमी के बावजूद अपनी रचनात्मकता दिखाने का मौका मिला। सत्र का समापन डॉ. स्वप्नेश कुमार साहू के एक विशेष खंड के साथ हुआ, जिसमें श्रोताओं को थीसिस लेखन और अकादमिक शोध में चैटजीपीटी के अनुप्रयोग से परिचित कराया गया, जिससे शल्य चिकित्सा शिक्षा में अभिनव एआई एकीकरण के लिए द्वार खुल गए।

जनरल सर्जरी ऑफिस के सेमिनार रूम में आयोजित कार्यशाला ने न केवल तकनीकी कौशल विकास को बढ़ावा दिया, बल्कि युवा सर्जनों के बीच रचनात्मक अन्वेषण को भी प्रोत्साहित किया। प्रतिभागियों ने सत्र की सराहना एक आंख खोलने वाले सत्र के रूप में की, जिसमें अकादमिक कठोरता को रचनात्मक स्वतंत्रता के साथ जोड़ा गया - आज के बहु-विषयक चिकित्सा परिदृश्य के लिए एक आदर्श शिक्षण मिश्रण। इस तरह की इंटरैक्टिव पहलों के साथ, पीजीआईएमईआर अपने सर्जिकल प्रशिक्षुओं के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, तथा उन्हें न केवल कुशल चिकित्सक के रूप में तैयार करता है, बल्कि प्रभावी संचारक और शिक्षक के रूप में भी तैयार करता है।

संगीत नाट्य अकादमी ने दी प्रतिभाओं को मंच, बुजुर्गों ने दिखाया विशेष उत्साह

संवाददाता
चंडीगढ़

विश्व संगीत दिवस पर 'वॉइस ऑफ चंडीगढ़' कार्यक्रम का आयोजन, 8 से 80 वर्ष तक के गायकों ने बिखेरा सुरों का जादू

विश्व संगीत दिवस के अवसर पर चंडीगढ़ संगीत नाट्य अकादमी द्वारा 'वॉइस ऑफ चंडीगढ़' कार्यक्रम का आयोजन टेगोर थिएटर में किया गया। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य चंडीगढ़ के उभरते और अनुभवी गायकों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कोई आयु सीमा नहीं रखी गई थी। 8 वर्ष के बच्चों से लेकर 80-90 वर्ष की उम्र के वरिष्ठ नागरिकों तक करीब 150 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। युवाओं, बच्चों, मध्य आयु वर्ग और बुजुर्गों सभी ने पूरे उत्साह से गीत प्रस्तुत किए। खास बात यह रही कि चंडीगढ़ के वरिष्ठ नागरिकों ने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी गायन प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में हिंदी, पंजाबी, हिमाचली सहित किसी भी भाषा में गाने की अनुमति थी, हालांकि अधिकतर गायकों ने हिंदी और पंजाबी गीत ही प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिक विमल त्रिखा ने गुरदास मान का प्रसिद्ध पंजाबी गीत ₹दिल दा मामला है कुछ ते करो सज्जणा₹ गाकर दर्शकों का मन मोह लिया। उनके प्रदर्शन पर सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साहवर्धन किया। कुछ अन्य वरिष्ठ नागरिकों ने भी भावपूर्ण गीत और गजलें प्रस्तुत कर माहौल को संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम में महिला और पुरुष दोनों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में चंडीगढ़ संगीत नाट्य अकादमी के चेयरमैन सुदेश शर्मा और सेवानिवृत्त भारतीय डाक सेवा अधिकारी मंजू रज्जू प्रसाद ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न भेंट किया।

एसडी कॉलेज ने मनाया 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शनिवार को ₹एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग₹ थीम पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें कर्मचारियों, छात्रों और कॉलेज के पूर्व छात्रों ने बहुत उत्साह के साथ भाग लिया। यह कार्यक्रम कॉलेज के मुख्य सभागार में सुबह आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और पूर्व छात्रों ने स्वास्थ्य और एकता की साझा भावना के साथ भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत वार्म-अप एक्सरसाइज से हुई, जिसके बाद बैठने और खड़े होने के विभिन्न आसनों के साथ-साथ उनके महत्व की व्याख्या भी की गई।

योग सत्र का संचालन प्रख्यात प्रशिक्षकों प्रांत प्रभारी, पतंजलि युवा भारत, चंडीगढ़, जनक मंगोत्रा, शशि बंसल और भूपिंदर द्वारा किया गया। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को योग आसन, प्राणायाम और ध्यान की एक श्रृंखला के माध्यम से प्रेरित किया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि योग सिर्फ. एक व्यायाम नहीं है। यह अनुशासन, संतुलन और आंतरिक सद्भाव का उत्सव है। सनातन धर्म के सिद्धांत भी शरीर, मन और आत्मा के इस मिलन का प्रचार करते हैं और इस तरह की भागीदारी के जरिए कॉलेज का लक्ष्य अपने छात्रों में बौद्धिक, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देते हुए समग्र विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने योग की परंपरा पर जोर दिया और प्रतिभागियों को स्वस्थ और समग्र जीवन शैली को बनाए रखने के तरीके के रूप में योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह कार्यक्रम कॉलेज की एनसीसी इकाई, एनएसएस इकाई और कॉलेज के गैर सरकारी संगठन आदर्श फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस आयोजन में डॉ. देवी सिंह के प्रयास शामिल थे, जिन्होंने सत्र के आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया। कॉलेज के पूर्व छात्र संघ ने भी अपना समर्थन दिया और सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकों और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ-साथ 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के लिए चंडीगढ़ के एनजीओ आईशेयर द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई थी।

संक्षिप्त-समाचार

बिजली के बेतहाशा बिलों से लोग परेशान, पूर्व विधायक प्रदीप चौधरी ने विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

पिंजौर। गर्मी के इस भीषण मौसम में जहां एक ओर ग्रामीण बिजली कटौती से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर बिजली विभाग की ओर से उपभोक्ताओं को भेजे जा रहे भारी-भरकम बिलों ने आम जनता में आक्रोश बढ़ा दिया है। इसी को लेकर आज कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक प्रदीप चौधरी ने बिजली विभाग की नीतियों पर कड़ा सवाल खड़ा करते हुए उसे जनविरोधी और गैर-जिम्मेदाराना बताया। प्रदीप चौधरी का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली गायब रहती है, लेकिन इसके बावजूद उपभोक्ताओं को फिक्स चार्ज, मीटर रेंट, सरचार्ज और अघोषित टैक्स जैसे फालतू शुल्क जोड़कर भारी बिल थमा दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब बिजली आती ही नहीं, तो इतने बड़े-बड़े बिल किस आधार पर भेजे जा रहे हैं? पूर्व विधायक ने विभागीय ढांचे पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बिजली विभाग में स्थायी और प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ की भारी कमी है। स्टॉफ की कमी है। जिससे लाइन खराबी, ट्रांसफॉर्मर फेलियर, और फॉल्ट सुधार में घंटों की देरी हो रही है। चौधरी ने कहा कि हल्की बारिश या हवा के साथ ही गांवों की बिजली सप्लाई पूरी तरह ठप हो जाती है, और बहाली में कई बार काफी घंटे तक का समय लग जाता है। इस दौरान ग्रामीणों को कोई स्पष्ट सूचना तक नहीं मिलती। उन्होंने यह भी मांग की कि उपभोक्ताओं को भेजे जा रहे फालतू शुल्क तत्काल हटाए जाएं, हर गांव में तकनीकी स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की जाए, मौसम खराब होने पर वैकल्पिक बिजली व्यवस्था हो बिजली कटौती की पूर्व सूचना एसएमएस व पब्लिक नोटिस के माध्यम से दी जाए। उपभोक्ता सहायता केंद्रों को सक्रिय किया जाए!

भारतीय एकता मंच ने सेक्टर 126 निज्जर रोड की दयनीय हालत उठाए सवाल

संवाददाता
चंडीगढ़

निज्जर रोड सेक्टर 126 खरड़ की हालत इस समय बहुत खराब है स्टोर्म लाइन डालने के बाद और इसकी हालत और भी खराब हो गई है । जगह-जगह खढढे है जिन पर वाहन चलाने पर दुर्घटनाग्रस्त होने की सम्भावना बनी रहती है । बरसात में यह रोड पानी के ठहराव के कारण और भी खराब हो जाती है । आने वाली बरसात मे इस रोड से निकलना और भी मुश्किल भरा हो जाएगा । यहां पर कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है जब बरसात होती है तो सड़क के ऊपर पानी आ जाता है और नीचे एक-एक फीट के गड्ढे हैं जो दिखाई नहीं देती है जब कोई बड़ा हादसा होता तो प्रशासन जगेगा तो अधिकारियों से निवेदन है कि इसको बरसात से पहले पहले ठीक कराया जाए ताकि कोई हादसा ना हो किसी की जान ना जाए भारतीय एकता मंच के नरेंद्र जैतक अध्यक्ष पुनीत महाजन जनरल सेक्रेटरी कम को कन्वीनर और प्रधान सुनीता ठाकुर ने प्रशासन से यह आग्रह किया है कि वह इस सड़क को जल्दी से ठीक करवाया जाए ताकि कोई बड़ा हादसा ना हो सके सम्बन्धित अधिकारियो से प्रार्थना है इस विषय मे गम्भीरतापूर्वक विचार कर इस रोड को जल्द से जल्द ठीक करवाने की कृपा करे ।

एक लाख रुपये की रिश्वत लेता अधिकारी का ड्राइवर गिरफ्तार

संवाददाता
चंडीगढ़

एसीबी की फरीदाबाद टीम द्वारा दिनांक 22.06.2025 को आरोपी ड्राईवर इर्शाद कार्यालय डी.टी.पी. सैक्टर -12 फरीदाबाद को शिकायतकर्ता से 1,00,000/-रू. नकद (एक लाख रुपए) रिश्वत लेते हुये खेडी रोड भारत कालोनी, फरीदाबाद से रंगे हाथो गिरफतार किया गया है तथा इस सम्बन्ध में आरोपी के विरूद्व अभियोग संख्या 17 दिनांक 22.06.2025 धारा 7 पी.सी. एक्ट, 1988 के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, फरीदाबाद में दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता ने एसीबी फरीदाबाद को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि दिनांक 02.06.2025 को वह डी.टी.पी. कार्यालय सैक्टर-12 फरीदाबाद में जाकर राहुल सिंगला, डी.टी.पी. से मिला। जिसने उसके मकान पर तोडफोड की कार्यवाही न करने का आश्वाश्न दिया। डी.टी.पी. को मिलने के बाद व वह डयूटी मैजिस्ट्रेट मुसफीक से मिला तो उसने उसके मकान की तोडफोड की कार्यवाही न करने बारे डी.टी.पी. कार्यालय में तैनात ड्राईवर इर्शाद से मिलवाया और कहा कि इर्शाद ड्राईवर उसको सब कुछ समझा देगा। इसके बाद इर्शाद ड्राईवर के फोन नम्बर 85274-92127 से उसके ऑफिस में कार्यरत रजत के मोबाईल फोन नम्बर 93118-80980 पर फोन आया। इर्शाद ने रजत से मेरे मकान की तोडफोन न करने की एवज में मिठाई लगने बारे तथा इस बारे अपने मालिक को बता देना बारे कहा गया। दिनांक 21.06.2025 को उसके द्वारा उसके कार्यालय में लगे रजत के फोन से इर्शाद ड्राईवर उपरोक्त को फोन किया। इस पर उसके द्वारा मकान की तोडफोड न करने की एवज में उससे मिठाई के कोड-वर्ड में रिश्वत की मांग की गई। वह मजबूरी वश एक लाख रू. रिश्वत राशी देने के लिये तैयार है।

शिकायतकर्ता की शिकायत पर कार्यवाही करते हुये एसीबी फरीदाबाद टीम द्वारा ड्राईवर इर्शाद, कार्यालय डी.टी.पी. फरीदाबाद को शिकायतकर्ता से एक लाख रू. नकद रिश्वत राशी लेते रंगे हाथो गिरफतार किया गया है। इस प्रकरण में अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों की संलिप्तता बारे तफतीश जारी है। यह पूरी कार्यवाही स्वतन्त्र गवाहों के समक्ष पूरी पारदर्शिता के साथ की गई।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो हरियाणा के प्रमुख ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी/कर्मचारी उनके किसी कार्य को करने की एवज में रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा के टोल फ्री नम्बर 1800-180-2022 व 1064 पर दी जा सकती है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति सम्पूर्ण मानवता के लिए निस्वार्थ स्वास्थ्य सेवाओं का प्रतीक

मनमोहन सिंह
पटियाला

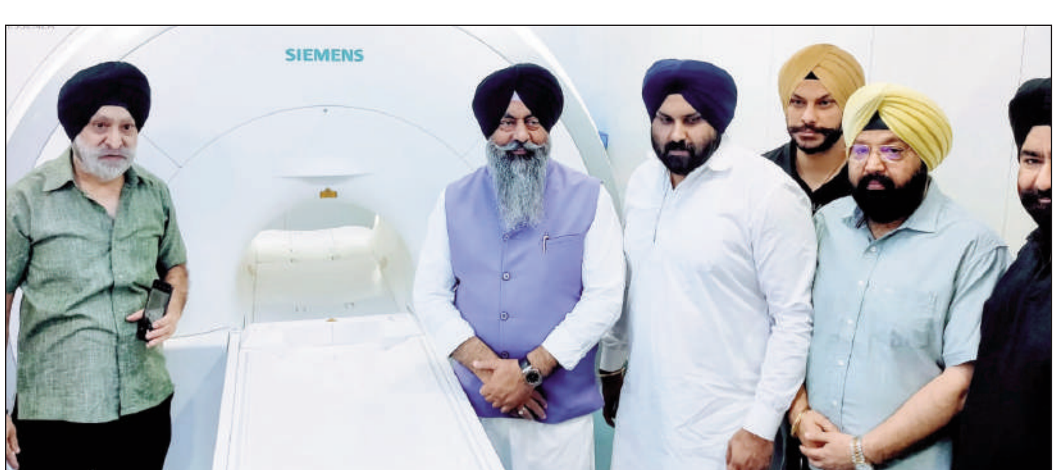

निष्काम सेवा सिख धर्म का एक मूलभूत सिद्धांत है, जिसका अर्थ है निस्वार्थ सेवा - ऐसी सेवा जो बिना किसी पुरस्कार, सम्मान या व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा के की जाती है। इसे प्रत्येक सिख के लिए एक आध्यात्मिक कर्तव्य माना जाता है और सिख मूल्यों के अनुसार जीवन जीने का एक केंद्रीय हिस्सा है।

यदि हम इसे व्यक्तिगत दृष्टिकोण से देखें तो भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं हैं और इस उद्देश्य की पूर्ति तथा मानवता के निस्वार्थ कल्याण के लिए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की निरंतर पहल और अथक प्रयासों से यह स्वास्थ्य सेवाओं का प्रतीक बन गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अद्वितीय, अमूल्य और प्रेरक योगदान से एक नई उम्मीद, एक नई रोशनी और सामाजिक कल्याण की दिशा में निरंतर प्रयासों ने न केवल सिखों की छवि को ऊंचा किया है बल्कि विदेशों में भी भारत को रोशन किया है। सम्पूर्ण मानवता के लिए निःस्वार्थ स्वास्थ्य सेवाओं के प्रतीक के पीछे दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरदीप सिंह कालका की नई सोच, उत्साह और प्रेरणा है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी अपने महान प्रयासों के माध्यम से एक नई मिसाल कायम की है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा चलाए जा रहे अस्पताल, निःशुल्क दवाइयां, लंगर सेवाएं, एम्बुलेंस सुविधाएं और मरीजों के लिए विशेष सहायता कार्यक्रम - ये सभी बड़े पैमाने पर लोगों के कल्याण के लिए समर्पित हैं।

ये प्रयास न केवल दिल्ली बल्कि पूरे देश में सामाजिक कल्याण के लिए एक प्रेरक मॉडल बन गए हैं, जहां सभी वर्गों के लोग लाभ उठा रहे हैं। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की यह अनूठी सेवा समाज में नई उम्मीद और विश्वास की रोशनी की तरह चमक रही है, जो सच्ची सेवा और मानवता की मिसाल है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति भारत में एक संगठन है, जो दिल्ली सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1971 के तहत काम करता है, जो भारत की संसद द्वारा अधिनियमित एक कानून है।* *दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति दिल्ली शहर में गुरुद्वारों, सिख धार्मिक स्थलों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। यह दिल्ली में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, वृद्धाश्रमों, पुस्तकालयों और अन्य धर्मार्थ संस्थानों का प्रबंधन भी करती है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में, विशेष रूप से गरीब और कमजोर वर्गों को बीमारियों का मुफ्त या कम लागत वाला इलाज उपलब्ध कराने में बहुमूल्य योगदान दे रही है। सुविधाएं प्रदान करके। अब तक 50 रुपये प्रति सीटी स्कैन और 50 रुपये प्रति सीटी स्कैन की लागत से लगभग 50,000 एमआरआई की जा चुकी हैं। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका के अनुसार, कमेटी पूरी मानवता के कल्याण के लिए निस्वार्थ सेवा की श्रृंखला में हमेशा अथक प्रयास करती है।

हाल ही में इस पहल को आगे बढ़ाते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कई अन्य पहल शुरू की गई हैं, जिनके सार्थक परिणाम भविष्य में सामने आएंगे। गुरुद्वारा बंगला साहिब में पीईटी स्कैन सेंटर शुरू हुआ दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरुद्वारा बंगला साहिब स्थित गुरु हरकिशन पॉलीक्लिनिक में पीईटी स्कैन सेंटर (ढएळ रउअठ) का लोकार्पण किया। कैंसर की जल्द पहचान और उपचार के लिए बनाए गए इस स्कैन सेंटर को 6 जून, 2025 को लोगों को समर्पित किया गया। पीईटी स्कैन सेंटर का शुभारंभ 21वीं सदी के उन शहीदों को भी समर्पित है, जो जुल्म और तानाशाही के कारण मारे गए। सरदार हरमीत सिंह कालका के अनुसार दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी गुरुओं के दिखाए मार्ग पर चलकर मानवता की सेवा कर रही है और कमेटी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश देना चाहती है कि सिख समुदाय एक शांतिप्रिय और धार्मिक रूप से तटस्थ समुदाय है जो कष्ट सहकर भी मानवता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करता है। सरदार हरमीत सिंह कालका के अनुसार इस पी.ई.टी. स्कैन की कीमत बहुत कम रखी गई है, मरीज से सिर्फ टेस्ट का खर्च लिया जाता है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी भगवान से प्रार्थना करती है कि किसी भी परिवार को इस सुविधा का लाभ उठाने की जरूरत न पड़े, क्योंकि जब कैंसर का पता चलता है तो परिवार गमगीन हो जाता है। यह सुविधा सभी को मिलेगी, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो। सरदार हरमीत सिंह कालका ने कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बाबा बचन सिंह और बाबा सतनाम सिंह कार सेवा की आभारी है, जिन्होंने पी.ई.टी. स्कैन सेंटर की बिल्डिंग तैयार की। इस स्कैन मशीन की कीमत 10 करोड़ रुपये है, जो गुरु घर से प्यार करने वाले एक परिवार ने दान की है। सरदार हरमीत सिंह कालका ने कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और मौजूदा दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री स. मनजिंदर सिंह सिरसा की भी प्रशंसा की, जिनके कार्यकाल में पॉलीक्लिनिक में मुफ्त डायलिसिस, कम कीमत वाली एम.आर.आई. और अन्य टेस्ट शुरू किए गए। सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने यह भी कहा कि पॉलीक्लिनिक में दी जा रही यह सुविधा मानवता की सेवा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने 13 जून को गुरुद्वारा बाला साहिब में अरदास करने के बाद 50 बिस्तरों वाले गुरु वाला गुरु का उद्घाटन किया। हरकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च को लोगों को समर्पित किया गया। सरदार हरमीत सिंह कालका के अनुसार, यह अस्पताल विश्वस्तरीय आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, लेकिन इलाज का खर्च सरकारी अस्पतालों के बराबर रखा गया है। इस अस्पताल की खास बात यह है कि इस अस्पताल में ओपीडी की सुविधा निशुल्क दी जाएगी। इस अस्पताल में जो फिजीशियन और डॉक्टर सेवाएं देंगे। उनकी फीस किसी को नहीं दी जाएगी, लेकिन इसके बाद अगर किसी मेडिकल खर्च या दवाइयों की जरूरत होगी तो वह बहुत ही रियायती दामों पर उपलब्ध कराई जाएंगी, जो दिल्ली में बाला साहिब फार्मेसियों में पहले से ही उपलब्ध हैं। इस अस्पताल में शायद ही कोई ऐसी बीमारी हो जिसके लिए डॉक्टर और कंसल्टेंट न हों। इस अस्पताल में नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, गायनोकोलॉजी, पीडियाट्रिक्स आदि विभाग हैं। इसके अलावा दो आईसीयू, एक पीडियाट्रिक्स आईसीयू, नवीनतम सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड सुविधाएं और विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं। यहां विशेष रूप से उल्लेख करना आवश्यक है कि 2019 में जब सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा कमेटी के अध्यक्ष थे और सरदार हरमीत सिंह कालका दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव बने थे, तब अस्पताल शुरू करने के प्रयास किए गए थे। ₹निशुल्क डायलिसिस केंद्र शुरू किया गया था। कमेटी के रिकॉर्ड के अनुसार अब तक 90,000 डायलिसिस पूरी तरह से निशुल्क की जा चुकी है। अस्पताल में कोई बिलिंग काउंटर नहीं है। कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर के दौरान इस अस्पताल में महामारी विंग की स्थापना की गई थी। समिति कार सेवा वाले बाबा जी - बाबा बचन सिंह जी, बाबा सतनाम सिंह जी और बाबा सुरिंदर सिंह जी का आभार व्यक्त करती है और सरदार हरमीत सिंह कालका ने दावा किया कि इस अस्पताल की सेवा विश्वस्तरीय होगी, लेकिन शुल्क सरकारी अस्पतालों के बराबर होगा। सरदार हरमीत सिंह कालका ने कहा कि वर्तमान समिति ने भारत सरकार द्वारा लागू की गई आयुष्मान योजना का लाभ अस्पताल में लागू करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, ताकि अधिक से अधिक लोग इलाज करा सकें। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा मानवता के कल्याण के लिए किए गए प्रयासों की सफलता के बारे में बात करते हुए सरदार हरमीत सिंह कालका ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सभी पदाधिकारियों, कमेटी के सभी सदस्यों, अस्पतालों में मरीजों का इलाज करने वाले सभी लोगों, डॉक्टरों, कर्मचारियों और दिल्ली की संगत का उन्हें दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग और पूर्ण विश्वास के कारण ही वह मानवता के कल्याण के लिए निस्वार्थ सेवा कर पाए हैं। वह ईश्वर से भी प्रार्थना करते हैं कि वर्तमान कमेटी को हमेशा आशीर्वाद और मजबूती प्रदान करें ताकि कमेटी भविष्य में भी मानवता के कल्याण के लिए अटूट और सफल प्रयास कर सके और मानवता की पूरी तरह से सेवा कर सके।